



आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा टाटा समूह को

राहुल गांधी का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने टाटा समूह को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए देश के प्रमुख उद्योगपतियों की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टाटा समूह को 'आपराधिक तरीके से बर्बाद' किया जा रहा है और कारोबारी जगत के बड़े चेहरे इस मुद्दे पर खुलकर बोलने से बच रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय कारोबार उनके लिए खिलौना नहीं है। राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पोस्ट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों से पूछा कि वे आखिर कब तक चुप रहेंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या कारोबारी जगत के लोग तब तक चुप रहेंगे, जब तक उन पर भी कब्जा नहीं कर लिया जाता। राहुल ने अपने संदेश में उद्योगपतियों पर साहस की कमी का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कथित अनियमितताओं के लिए न्याय सुनिश्चित करने की बात भी कही। राहुल गांधी की यह टिप्पणी टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के नेतृत्व को लेकर सामने आए विवाद के बीच आई है। ■ शेष पेज ५ पर

भूकंप के तेज झटके से कांपा चीन

आधी रात को धरती डोली, रिक्टर स्केल पर ५.० मापी गई तीव्रता

तिब्बत। चीन में आधी रात के वक्त जब लोग गहरी नींद में थे, तभी अचानक जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भूकंप निगरानी एजेंसियां घटना के तुरंत बाद डेटा का विश्लेषण कर नुकसान और तीव्रता का आकलन करने में जुट गई हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप का सटीक समय रात १२:२७ बजे दर्ज किया गया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता ५.० मापी गई, जो मध्यम से तेज श्रेणी के भूकंप में मानी जाती है। इसका केंद्र ३२.६५८ अक्षांश और ९३.९१७ देशांतर पर स्थित था। सीस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, इस भूकंप का हाइपोसेंटर यानी केंद्र सतह से सिर्फ १० किलोमीटर की गहराई पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि कम गहराई वाले भूकंपीय झटकों का कंपन जमीन की सतह ■ शेष पेज ५ पर

इकारा!

पाकिस्तान का इंग्लैंड-रशिया समेत तीन देशों से डिफेंस प्रोडक्शन पर समझौता



लैंडफॉल के बाद चक्रवात का असर: भारी बारिश, ५० ट्रेनें और २१ उड़ानें रद्द

आंध्र में चक्रवाती तूफान अर्णब का तांडव

विशाखापट्टनम। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान अर्णब के आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है। तूफान के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने, सड़कों पर आवागमन बाधित होने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की खबरें सामने आई हैं। निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्यवाही तेज कर दी है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण रेल और हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है।

१२५ से १३५ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं : चक्रवात अर्णब

मंगलवार और बुधवार की दरमियान रात लगभग ३.३० बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। इस दौरान हवा की गति १२५ से १३५ किमी प्रति घंटे तक पहुंची। तूफान के प्रभाव से विशाखापट्टनम, अनकापल्ली, काकीनाडा और कोनसीमा जिलों में भारी बारिश हुई। निचले इलाकों में पानी भरने और बाढ़ का खतरा बढ़ने के कारण प्रशासन ने प्रभावित आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। चक्रवात अर्णब के बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश और पुदुचेरी के यानम तटीय क्षेत्र में पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज हवाओं और भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए तथा बिजली के खंभे गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। खराब मौसम

का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा है। इंडिगो ने राजमुंदरी, विजयवाड़ा और विशाखापट्टनम हवाई अड्डों से आने-जाने वाली उड़ानों के प्रभावित होने की आशंका जताते हुए यात्रियों को रवाना होने से पहले उड़ानों की स्थिति जांचने की सलाह दी है। मौसम संबंधी जानकारी के अनुसार, चक्रवात के केंद्र के आसपास हवा की गति १२५ से १३५ किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि तेज झोंकों के दौरान इसकी रफ्तार १५० किमी प्रति घंटे तक दर्ज किए जाने की बात कही गई है।

१४ जिलों में बचाव दल तैनात : आंध्र प्रदेश सरकार ने संवेदनशील इलाकों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की

१२ और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की १० टीमों को तैनात किया है। राज्य के १४ संवेदनशील जिलों में इन दलों की तैनाती की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा, सरकार ने २,१९९ चक्रवात आश्रय स्थलों की पहचान कर उन्हें सक्रिय किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

रेल और हवाई सेवाओं पर असर

तूफान के चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल और हवाई सेवाओं में बदलाव किए गए। आंध्र प्रदेश में लगभग ५० ट्रेनों और विजयवाड़ा तथा विशाखापट्टनम हवाई अड्डों से संबंधित २१ उड़ानों के रद्द होने की जानकारी दी

गई है। खराब मौसम के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्रा करने वाले लोगों को रेलवे और संबंधित

विमानन कंपनियों से अपनी ट्रेन या उड़ान की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी गई।

ओडिशा में भी सतर्कता : चक्रवात का प्रभाव ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में भी देखने को मिला। ■ शेष पेज ५ पर



दूसरी पसंद के वोटों में कोहले आगे

स्नातक चुनाव : कराले मास्टर करा रहे कांटे की टक्कर

विशेष प्रतिनिधि नागपुर। विधान परिषद के नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए हुए चुनाव के बाद वोटों की गिनती विगत १६ घंटों से मानकापुर स्थित क्रीडा संकुल में जारी है। अंतिम समाचार मिलने तक भाजपा के उम्मीदवार सुधाकर कोहले रोते-गाते आखिरकार वंजारी से आगे हो गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दूसरी पसंद के वोटों की गिनती जारी है। इस एलिनिमेंट राउंड में २५ उम्मीदवार चुनाव मैदान से बाहर हो गए और सुधाकर कोहले ४२६१

वोटों से आगे हो गए। कोहले को ६१,००१ तथा वंजारी को ५६,७३० वोट मिले थे। कोहले को जीत के लिए दूसरी पसंद के १४ हजार से अधिक तथा वंजारी को १८ हजार से अधिक वोटों की जरूरत है।

पहले दौर की मतगणना में वंजारी ओ थे जबकि दूसरे दौर की गणना के बाद कोहले आगे हो गए। किसी को भी जीत के लिए निर्धारित कोटा के वोट नहीं मिलने से दूसरी पसंद के वोटों की गिनती कल रात शुरू की गई जो समाचार लिखने तक जारी थी।



बिहार एमएलसी चुनाव में बड़ा उलटफेर

चार शिक्षक सीटों के नतीजे घोषित



पटना। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीतिक तस्वीर में नए समीकरणों के संकेत दिए हैं। चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे घोषित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जन सुराज और निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। भाजपा ने तिरहुत और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की, जबकि पटना शिक्षक सीट पर राजद के डॉ. संजीव कुमार तथा

दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज के डॉ. सुरेश प्रसाद राय विजयी रहे। दूसरी ओर, चार स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना जारी रहने से राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की निगाहें अंतिम परिणामों पर टिकी हुई हैं।

पटना में राजद ने भाजपा की पुनर्जीवित सीटें : पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राजद के डॉ. संजीव कुमार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधान पार्षद डॉ. नवल किशोर यादव को पराजित किया। यह परिणाम इसलिए महत्वपूर्ण ■ शेष पेज ५ पर

यूपी विप चुनाव में भाजपा ने ४ सीटें जीतीं

वाराणसी में सपा का परचम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ११ शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीटों के चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और



और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उमेश द्विवेदी ने जीत हासिल की। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्रीचंद शर्मा तथा इसी क्षेत्र की स्नातक सीट से दिनेश गोयल विजयी रहे।

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉ. हरि सिंह दिल्ली ने जीत दर्ज की। इन नतीजों से पार्टी को विधान परिषद चुनाव में महत्वपूर्ण सफलता मिली। ■ शेष पेज ५ पर

महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा ने लखनऊ, मेरठ और बरेली में दर्ज की जीत भाजपा के उम्मीदवारों ने शिक्षक

और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उमेश द्विवेदी ने जीत हासिल की। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्रीचंद शर्मा तथा इसी क्षेत्र की स्नातक सीट से दिनेश गोयल विजयी रहे।

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉ. हरि सिंह दिल्ली ने जीत दर्ज की। इन नतीजों से पार्टी को विधान परिषद चुनाव में महत्वपूर्ण सफलता मिली। ■ शेष पेज ५ पर

ईवीएम के बाद बैलेट पर भी कांग्रेस को झटका

एनडीए ने चारों सीटों पर किया क्लीन स्वीप

बेंगलुरु। कर्नाटक में विधान परिषद की चार सीटों के चुनाव परिणामों में भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के गठबंधन ने सभी सीटों पर जीत हासिल की है। सत्तारूढ़ कांग्रेस को किसी भी सीट पर सफलता नहीं मिली। भाजपा ने तीन सीटें बरकरार रखीं, जबकि जद (एस) ने बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस को पराजित कर एक सीट अपने नाम की। इन चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय मतपत्रों से मतदान कराया गया था। परिणाम सामने आने के बाद राज्य में भाजपा-जद (एस) गठबंधन और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

चार सीटों पर गठबंधन की जीत कर्नाटक विधान परिषद की जिन चार सीटों के लिए २३ अक्टूबर को



मतदान हुआ था, उनमें दो शिक्षक और दो स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। भाजपा ने उत्तर-पूर्व शिक्षक, पश्चिम स्नातक और दक्षिण-पूर्व स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। वहीं, जद (एस) के उम्मीदवार एपी रंगनाथ ने बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के मौजूदा विधान पार्षद पुट्टना को हराया। इस तरह गठबंधन ने चारों सीटों पर जीत हासिल की। बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मुकाबला सबसे महत्वपूर्ण रहा। ■ शेष पेज ५ पर



बारिश का सीजन में फिज में रखते ही जहर बन जाएंगी ये सब्जियां

बरसात के मौसम में हेल्दी रहने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना होता है। छिले हुए लहसुन को फीज करने से यह गल जाता है। शहद को रेफ्रिजरेट करने से यह बेस्वाद हो जाता है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चावल को फिज में रखने के बाद खाने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-कौन सी सब्जियां हैं, जिन्हें फिज में नहीं रखना चाहिए।

आमतौर पर हम खाने-पीने की हर चीज को फिज में रख देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर एक चीज फिज में रखने लायक नहीं होती है। कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें अगर हम फिज में रखते हैं तो उनके रंग, सुगंध और स्वाद में कमी आ जाती है। आयुर्वेदिक डाइट एक्सपर्ट डॉ. डिंपल जांगड़ा यहां बता रही हैं कि वो कौन सी सब्जियां हैं जो फिज में रखने पर जहरीली हो सकती हैं।

अदरक

अदरक को फिज में रखने से भी उसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और यह किडनी और लिवर फेल होने का कारण बन सकता है। इसलिए अदरक को भी फिज में नहीं रखना चाहिए। अदरक एक बहुत ही पौष्टिक औषधि है। ऐसा कहा जाता है कि अदरक खाने से अपच, कब्ज और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होता है।

लहसुन

लहसुन को छीलकर फिज में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इसमें जल्दी फफूंदी लग जाती है और फफूंदी लगे लहसुन के सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। फिज में रखने से लहसुन के तेल भी खत्म हो जाते हैं, जिससे इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसलिए लहसुन को हमेशा बिना छिले ही खरीदें और इस्तेमाल से पहले ही छीलें। इसे फिज में रखने के बजाय बाहर ही रखें।

प्याज

अक्सर लोग आधा प्याज काटकर बाकी आधा फिज में रख देते हैं, ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आसपास के वातावरण के सभी हानिकारक बैक्टीरिया प्याज में चले जाते हैं और उसमें फफूंदी लग जाती है। जब घर में कोई बीमार होता है तो हम अक्सर एक प्याज काटकर कमरे के कोने में रख देते हैं ताकि वातावरण में मौजूद सभी हानिकारक बैक्टीरिया उसमें समा जाएं।

आलू-शिमला

आलू को फिज में रखने से उसका टेक्सचर और स्वाद खराब हो जाता है। इसे पेपर बैग में लपेटकर कमरे के तापमान पर स्टोर करना बेहतर होता है। फिज में रखने से शिमला मिर्च भी मुलायम हो जाती है और इसका स्वाद भी खराब हो जाता है। इसे भी कमरे के तापमान पर ही स्टोर करना चाहिए।



लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर दिखते हैं ये लक्षण

अगर आपकी स्किन पर इसमें से कोई संकेत दिख रहे हैं तो ये जरूरी है कि आप पहले अपने डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर ये लक्षण दिखते हैं।

हमारी स्किन कई बार हमें आने वाले खतरे का इशारा कर देती है। कुछ बीमारियां खासतौर पर स्किन के जरिए दिखती हैं। उदाहरण के तौर पर जब पीलिया या जॉइन्डिस होता है तो स्किन पीली होने लगती है। इसका सीधा सा संकेत है कि लिवर में पित्त बहुत ज्यादा बन गया है और स्किन पर इसका असर दिखने लगता है। पीलिया होते ही हम डॉक्टर के पास जाकर ट्रीटमेंट शुरू करवाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लिवर की बीमारी होने से पहले स्किन पर और भी संकेत मिलते हैं। लिवर की अलग-अलग कंडीशन होने पर स्किन हमें संकेत देती है कि अब टेस्ट करवाने की जरूरत है।

लिवर की बीमारी में स्किन में शुरु हो जाती है खुजली

आपका लिवर डैमेज हो रहा है इसका एक लक्षण खून में पित्त का बनना भी हो सकता है। ऐसा होने



पर स्किन में खुजली शुरु हो जाती है। जब पित्त का ड्रक ब्लॉक होता है तो पित्त धीरे-धीरे खून में मिलने लगता है और स्किन के निचले हिस्से पर इकट्ठा हो जाता है। यही कारण है कि स्किन में खुजली होने लगती है और आपको थोड़ी असहजता होती है।

शरीर पर पड़ते हैं नीले चकते या होती है ब्लीडिंग

लिवर के डैमेज होने के कुछ सबसे पहले लक्षणों में से एक है शरीर में जगह-जगह नील पड़ जाना



और बहुत आसानी से खून निकल आना। ये लक्षण कहते हैं कि आपका लिवर स्वस्थ नहीं है और ब्लड क्लॉटिंग रोकने के लिए जिन प्रोटीन्स की जरूरत होती है वो लिवर में सही मात्रा में नहीं बन रहे हैं।

स्पाइडर एंजियोमास का बनना

स्किन पर दिखने वाले कई लक्षणों में से एक है स्पाइडर एंजियोमास का दिखना। ये छोटी-छोटी कोशिकाएं होती हैं जो मकड़ी के जालों की तरह दिखती हैं। ये भी स्किन के निचले हिस्से में होती हैं और जब शरीर में एस्ट्रोजन लेवल बढ़ता है तो ये दिखने लगती हैं। अगर ये दिखती हैं इसका मतलब लिवर ठीक तरह से काम नहीं कर रहा है और आपके हार्मोन्स मेटाबोलाइज्ड नहीं हो रहे हैं।

मुंह से बहुत बदबू आना



मुंह से बहुत बदबू आना भी इस बात का लक्षण है कि आपका लिवर सही तरह से काम नहीं कर रहा है। dimethyl sulfide का हाई लेवल इस बात की ओर इशारा करता है कि आपको लिवर सिरोसिस हो रहा है और इससे फरुटी, सड़ी हुई बदबू आपके मुंह से आती है। लिवर डैमेज के द्वारा मुंह की दुर्गंध को Feto hepaticus कहा जाता है।



चेहरे पर हाइपरपिगमेंटेशन

अगर आपके चेहरे पर एकदम से झाड़ियां और हाइपरपिगमेंटेशन होने लगा है तो ये भी लिवर डैमेज का एक लक्षण हो सकता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो शरीर में एस्ट्रोजेन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में tyrosinase नामक एक एन्जाइम शरीर में बढ़ता है जिसमें कॉपर होता है। ये मेलानिन का प्रोडक्शन बढ़ाता है और इससे पिगमेंटेशन की समस्या होती है। हथेलियों पर होती है खुजली, जलन और लालिमा लिवर डैमेज का एक और लक्षण ये होता है कि आपकी हथेलियों में लालिमा, जलन, खुजली बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ये शरीर में असमान्य हार्मोन लेवल्स के कारण होता है। अगर आपको कोई भी अलग लक्षण अपनी स्किन पर दिख रहा है तो एक बार अपने डॉक्टर से चेक करवा लेना जरूरी है। हो सकता है ये लिवर के कारण नहीं बल्कि किसी और कारण से हो रहा हो, लेकिन स्किन पर अक्सर इसके लक्षण दिखने लगते हैं। रेगुलर चेकअप किसी गंभीर समस्या से बचा सकता है और आपको ऐसा कुछ भी होने पर हमेशा मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए जो आपको विस्तार से इसके बारे में बताएगा।



बरसात में शरीर को ले डूबेगी ज़िंक की कमी, आता-जाता इन्फेक्शन कर देगा बुरा हाल

इस मानसून कटू के बीज, ओट्स, फलियां, डेयरी उत्पाद और डार्क चॉकलेट जरूर खाएं। ये फूड जिंक से भरपूर हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। जिंक इम्यून सेल्स को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

जिंक एक जरूरी मिनरल है जो हेल्दी इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी है। यह इन्फेक्शन से लड़ने में अहम रोल निभाता है क्योंकि यह इम्यून सेल्स के विकास और काम में मदद करता है। इस मानसून के मौसम में अपनी डाइट में जिंक से भरपूर फूड्स को शामिल करके अपनी इम्युनिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। क्योंकि इस समय कीटाणु और वायरस तेजी से बढ़ते हैं।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें

ये 5 फूड्स जिंक से भरपूर होते हैं जो प्रतिदिन जिंक की रोजाना की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। पुरुषों को रोजाना 11

कटू के बीज

30 ग्राम कटू के बीज में लगभग 2.2 मि.ग्रा. जिंक होता है। इन्हें सलाद पर छिड़के, अपनी सुबह के ओट्स में शामिल करें या नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। ये बीज प्रोस्टेट हेल्थ को सपोर्ट कर सकते हैं और यहां तक कि अपने उच्च जिंक कंटेंट और अन्य लाभकारी पोषक तत्वों के कारण डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद कर सकते हैं।

फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसी फलियां जिंक से भरपूर होती हैं। 100 ग्राम पकी हुई दाल में पुरुषों के लिए रोजाना का 12% और महिलाओं के लिए 16% जिंक होता है। फलियां फाइबर, प्रोटीन और विभिन्न विटामिन और खनिजों से भी

भरपूर होती हैं, जो उन्हें बैलेंस्ड डाइट बनाता है। फलियों के नियमित सेवन से पाचन स्वास्थ्य बेहतर होता है और क्रॉनिक डिजीज का खतरा कम होता है।

ओट्स



ओट्स जिंक का एक और बेहतरीन स्रोत हैं, जो पानी में पकाए जाने पर एक कप में लगभग 2.3 मि.ग्रा. प्रदान करते हैं। ये न केवल जिंक से भरपूर होते हैं बल्कि फाइबर से भी भरपूर होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को सपोर्ट करता है।

डेयरी प्रॉडक्ट

शोध के मुताबिक पनीर और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स बायोअवेलेबल जिंक के जाने-माने स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा शरीर इन वस्तुओं में मौजूद अधिकांश जिंक को अवशोषित कर सकता है। एक कप फुल क्रीम दूध में पुरुषों के लिए दैनिक आवश्यकता का 9% और महिलाओं के लिए 13% जिंक होता है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम और विटामिन डी भी प्रदान करते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डार्क चॉकलेट

मीठा पसंद करने वालों के लिए, डार्क चॉकलेट जिंक की मात्रा को बढ़ावा देने का एक स्वादिष्ट तरीका है। 70%-85% डार्क चॉकलेट के 100 ग्राम बार में 3.31 मि.ग्रा. जिंक होता है। डार्क चॉकलेट जिंक और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है मगर यह कैलोरी और शुगर में भी अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।



बरसात के दिनों अक्सर मच्छरों से होने वाली बीमारियां भी काफी बढ़ जाती हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं, बरसात में भी शरीर में पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए हाइड्रेड रहना बेहद जरूरी है। अपने बच्चों की इम्युनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें हेल्दी डाइट दें।

वर्षा के चलते कई जगहों पर जलभराव और गंदगी होने से मच्छर और खतरनाक बैक्टीरिया जन्म ले लेते हैं। पानी और हवा के जरिए ये बैक्टीरिया खाने और शरीर तक पहुंचते हैं। हम बुखार व पलू जैसी बीमारियों की जकड़ में आ जाते हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। चूँकि बच्चों की इम्युनिटी

बच्चों की इम्युनिटी होती है कमजोर, बारिश के मौसम में वायरल होने की बढ़ जाती है आशंका

कमजोर होती है, तो इस वायरल की चपेट में वह जल्दी आ जाते हैं। मौसम बदलने के साथ ही वायरल बुखार की शुरुआत हो चुकी है।

बासा खाना बिल्कुल भी न दें काफी संख्या में बच्चे ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इस वायरल से बचने का तरीका यही है कि बच्चे खाने से पहले हाथ धो लें। पैरेंट्स बच्चों को डाइट अच्छी दें। ताजा खाना और ताजे फल ही खिलाएं। बाहर का खाना खाने से बचें और बासा खाना बिल्कुल भी न दें। फिर भी यदि आपका बच्चा वायरल की चपेट में आ जाता है तो अच्छे डॉक्टर को दिखाएं और प्रॉपर दवा लें। यदि आपके घर में दूसरा बच्चा भी है, तो उसके साथ प्रीकोशन रखें, वरना वह भी वायरल की चपेट में आ सकता है।

आसपास पानी का भराव न होने दें

वायरल के दौरान पौष्टिक चीजें ही बच्चे को दें। ठंडा और खट्टा देने से बचें। बच्चे का टॉवेल और हैंकी अलग कर दें। आने वाले समय में मच्छर से होने वाले मलेरिया, डेंगू के केस भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि अपने आसपास पानी का भराव न होने दें। जहां तक हो सके बच्चों को फुल बांह के कपड़े पहनाएं।



डिमेंशिया के जोखिम को कम करती हैं सरल दैनिक आदतें

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आप स्मार्टफोन और गूगल को समय देने के बजाय सरल दैनिक आदतों की ओर ध्यान दें तो यह आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के जोखिम को भी कम कर सकता है। वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपनी नई पुस्तक आईमाइंड-आर्टिफिशियल एंड रियल इंटेलिजेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना में सरल दैनिक आदतों पर ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा है कि लोगों का फोफ़स सेल्फ लर्निंग से हटकर गूगल पर निर्भर हो गया है, जिसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने अपनी किताब आईमाइंड में कहा है कि कोई भी चीज मानव मस्तिष्क-मन की क्षमता, भंडारण, दीर्घायु, ऊर्जा दक्षता या आत्म उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकती। वर्तमान स्मार्टफोन की उपयोगी जीवन प्रत्याशा लगभग 10 वर्ष है। जबकि

एक स्वस्थ मानव शरीर के अंदर एक स्वस्थ मस्तिष्क-मन 100 वर्ष या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकता है। स्मार्ट डिवाइस तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं, लेकिन वह मानव मस्तिष्क की भंडारण क्षमता या स्व-उपचार क्षमताओं की नकल नहीं कर सकते। इस किताब में मनोभ्रंश के कारण होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के बारे में बात की गई है। उन्होंने मस्तिष्क की दीर्घकालिक क्षमता की तुलना स्मार्टफोन के सीमित जीवनकाल से करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ मस्तिष्क का पोषण किया जाए तो वह 100 वर्षों से अधिक समय तक चल सकता है। दैनिक मस्तिष्क व्यायाम जैसे मेमोरी वर्कआउट, एसोसिएटिव मेमोरी विकसित करना, शराब को नियंत्रित करना, आराम करना और नियमित झपकी लेना जैसे दैनिक व्यायाम मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।



प्रीतम भोजवानी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



अनुभव विनोद द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



नरेश पंजवानी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



रश्मिका चव्हाण द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



अमित बारई द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



आनंद जैन द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



महेशकुमार कुकडेजा द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



दिलीप गांधी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



दीपक उज्जैनकर द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



निधि अहेर द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



संदीप गुंडे द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



दीपक यादव द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



आशीष धारड द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



सोनिया जसवंतसिंह परमार द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था से लेकर आधुनिक डिजिटल कक्षाओं तक, शिक्षा का स्वरूप लगातार बदलता रहा है। सामाजिक बदलावों और तकनीकी प्रगति ने शिक्षण पद्धतियों को नया रूप दिया है। आज शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-एआई), डेटा एनालिटिक्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इन तकनीकों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना और उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप शिक्षा उपलब्ध कराना है।

मुडल और ग्राउल क्लासरूम जैसे लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विद्यार्थियों की उपस्थिति, प्रदर्शन और प्रगति का विश्लेषण करने में मदद करते हैं। हालांकि, केवल अंकों और उपस्थिति के आधार पर किसी विद्यार्थी की वास्तविक सीखने की क्षमता को समझना मुश्किल है। ऐसे में जर्नलिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आया है।

वर्चुअल कक्षा में एआई विद्यार्थियों के प्रश्नों और प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण कर उनकी कक्षाओं के अनुसार उत्तर, सुझाव और अध्ययन सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इससे हर प्रश्न के लिए शिक्षक पर निर्भरता कम हो सकती है।

उदाहरण के लिए, शिक्षक अपने पुराने व्याख्यान का वीडियो अपलोड कर सकते हैं। एआई उसके आधार पर विद्यार्थियों के लिए चिंतनपरक प्रश्न तैयार करेगी और उनके उत्तरों के अनुसार व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री तथा अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराएगी। इसके बाद शिक्षक और विद्यार्थी आमने-सामने की कक्षा में उन सवालों पर चर्चा कर सकेंगे, जिनका समाधान नहीं हुआ है। इससे कक्षा में रतने के बजाय विश्लेषण, रचनात्मकता और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा मिलेगा।

कॉग्निटिव ट्रिन्स के दो प्रमुख लाभ हैं।

पहला, प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी सीखने की गति और समझ के स्तर के अनुरूप शिक्षा मिल सकती है। दूसरा, एक बार तैयार की गई अध्ययन सामग्री का निर्यात उपयोग किया जा सकता है। इससे शिक्षकों का नियमित कार्यभार कम होगा और वे उपयोग किया जा सकता है। इससे शिक्षकों का नियमित कार्यभार कम होगा और वे उपयोग किया जा सकता है।

विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, व्यक्तिगत संवाद तथा उनकी रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने पर अधिक ध्यान दे सकेंगे। हालांकि, कॉग्निटिव ट्रिन्स का उद्देश्य पारंपरिक कक्षाओं को पूरी तरह समाप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें अधिक प्रभावी बनाना है। एआई शिक्षकों का विकल्प बनने के बजाय उनकी क्षमताओं को बढ़ाने वाला माध्यम बन सकती है।

चुनौतियां और भविष्य की राह

शिक्षा में एआई का प्रभावी उपयोग करने के लिए मजबूत नीतिगत समर्थन और

जिम्मेदार तकनीकी हस्तक्षेप आवश्यक हैं। डेटा की गोपनीयता, नैतिकता, शिक्षकों की तकनीकी दक्षता और डिजिटल संसाधनों से वंचित विद्यार्थियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के बीच व्यापक शोध और सहयोग भी जरूरी है।

तकनीकी बदलावों को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उनका सही उपयोग सुनिश्चित करना हमारे हाथ में है। सरकारें भी शिक्षा में एआई के एकीकरण को प्रोत्साहित कर रही हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि क्या हम एआई के इस नए दौर में भविष्य के विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं?

-डॉ. स्वाली वाष

(लेखिका बंगलुरु स्थित फ्राइस्ट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी) में कंप्यूटर साइंस विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं। उन्हें कंप्यूटर साइंस शिक्षा, शोध, शैक्षणिक नेतृत्व और पाठ्यक्रम विकास के क्षेत्र में २५ वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी विशेष रुचि एआई के माध्यम से शिक्षा को अधिक सार्थक, समावेशी और विद्यार्थी केंद्रित बनाने में है।)



२४ घंटे में ४ किसानों की मौत

विदर्भ में किसान संकट की भयावह तस्वीर

संवाददाता

यवतमाल। विदर्भ में २४ घंटे के भीतर चार किसानों की मौत हो गई। इनमें तीन किसानों ने कथित तौर पर कर्ज और फसल बर्बादी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली, जबकि एक किसान की खेत में जुताई के दौरान हादसे में जान चली गई। इन घटनाओं ने किसानों के सामने खड़े आर्थिक संकट और कृषि क्षेत्र की चुनौतियों को फिर उजागर किया है।

बैल विदकने से किसान की मौत

गडचिरोली जिले के देसाईगंज तहसील के चौप गांव में २६ अक्टूबर को खेत की जुताई के दौरान चितामण राऊत की मौत हो गई। बैलों के अचानक विदकने से संतुलन बिगड़ने पर वे नांगर सहित गिर पड़े। गंभीर चोटों के कारण उनकी जान चली गई।

कर्ज से परेशान दो किसानों ने पिया जहर

अमरावती जिले के शेंदुर्जनाघाट निवासी ४४ वर्षीय प्रवीण श्रीरामपंत अडावू ने २६ अक्टूबर को जहर पी लिया। मंगलवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके पास सात एकड़ जमीन थी और बैंक सहित अन्य स्रोतों से लिया गया कर्ज चुकाने की चिंता थी। इसी तरह तलेगांव दशासर के ४५ वर्षीय



सचिन अप्पणाजी रामटेके ने भी कर्ज और फसल खराब होने से परेशान होकर जहर पी लिया। सोमवार रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके पास चार एकड़ कृषि भूमि थी।

कुएं में कूदकर किसान ने दी जान

यवतमाल जिले की महागांव तहसील के फुलसावंगी में ४७ वर्षीय जगजीवन भीकाजी डोंगरे ने मंगलवार सुबह अपने खेत के कुएं में छलांग लगा दी। इस घटना में उनकी मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने विदर्भ में किसान परिवारों की आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों पर चिंता बढ़ा दी है।

कल १८ घंटे बाधित रहेगी जलापूर्ति

मनपा और ओसीडब्ल्यू ने जारी किया अलर्ट

नागपुर। जटाशंकर के पास स्थित लक्ष्मीनगर फीडर पर ७०० मिमी व्यास वाले वॉल्व को बदलने के आवश्यक कार्य के लिए ऑरेंज सिटी वाटर और महानगरपालिका द्वारा लक्ष्मीनगर ओल्ड फीडर में २९ अक्टूबर को सुबह १० से ३० अक्टूबर, सुबह ४ बजे तक १८ घंटे का शटडाउन करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान फीडर पर आश्रित तमाम क्षेत्र की जलापूर्ति खंडित रहने की जानकारी मनपा ने दी है। मनपा ने प्रभावित क्षेत्रों के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे शटडाउन अवधि से पूर्व पर्याप्त मात्रा में जल का भंडारण कर लें और इस दौरान प्रशासन का सहयोग करें।

इन क्षेत्रों में जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

१. लक्ष्मीनगर ओल्ड कमांड एरिया:- बजाजनगर, अश्वंकरनगर, लक्ष्मीनगर, राहटे कॉलोनी, वसंतनगर, ८ रास्ता चौक, अत्रे लेआउट, पीएनटी कॉलोनी, इनकम टैक्स कॉलोनी, श्रद्धानंदपेट, माटे चौक, आरपीटीएस कॉलोनी, एमआईजी कॉलोनी, एचआईजी कॉलोनी, एलआईजी कॉलोनी, धनगरपुरा और प्रतापनगर रोड।
२. रामनगर जीएसआर कमांड एरिया:- गिरीपेट, त्रिकोणी पार्क, रामनगर चौक से लक्ष्मी भवन चौक,



गोकुलपेट, खरे टाउन, शंकरनगर, गांधीनगर, शिवाजीनगर, धर्मपेट, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी क्वार्टर्स, लॉ कॉलेज चौक और अंबाझरी।
३. सिविल लाइंस डायरेक्ट टैपिंग:- वॉर्कस स्ट्रीट, हाई कोर्ट बंगला, इनकम टैक्स, आरबीआई, मरियमनगर, पीएनटी कॉलोनी, लेडीज क्लब चौक, रविनगर, सभी पीडब्ल्यूडी क्षेत्र, पीडब्ल्यूडी क्वार्टर और अहिंसा चौक।
४. आईबीएम डायरेक्ट टैपिंग:- रविनगर और तेलंगखेड़ी हनुमान मंदिर क्षेत्र।

जमीन की दलाली, शेयर का चरका...पैसे डूबे तो बन गया कातिल दलाल से दरिंदा, मिटा दी बुजुर्ग की जिंदगी

ट्रक ने वृद्ध को कुचला

अपराध संवाददाता

गोंदिया। एक तेज रफ्तार दौड़ते जा रहे ट्रक ने लापरवाही पूर्वक वाहन दौड़ाकर राहगीर वृद्ध को बीच रास्ते कुचल दिया।

घटना आमगांव तहसील के ग्राम रिसामा में २६ अक्टू. के सुबह १० बजे घटित हुई।

पुलिस ने जानकारी देते बताया कि, ग्राम रिसामा निवासी शिवप्रसाद बिसराम प्रजापति (६८) यह मार्ग से जा रहे थे, इस दौरान तेज रफ्तार दौड़ते आ रहे टाटा कंपनी के ट्रक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए वृद्ध को अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

हादसे के संदर्भ में मृतक के बेटे फियादी पुष्पलाल शिवप्रसाद प्रजापति (४३) की रिपोर्ट पर आमगांव पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक अश्विन बाबुलाल नेवारे (३० निवासी छोटा गोंदिया) के खिलाफ अ.क्र. ६८२/२६ की धारा २८१, १०६ (१), सहकलम १८४ मोटर वाहन कायदा के तहत अपराध दर्ज किया है।

प्रकरण की जांच पुलिस उपनिरीक्षक कथले कर रहे है।

साजिश के तहत वह मृतक के घर के पास पहुंचा और गांव की ओर से घर लौट रहे दहीकर के सिर और छाती पर ईंट से वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद उसने शव को घर के सामने स्थित झाड़ियों में छिपा दिया।

हत्या का जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आमगांव पुलिस के हवाले कर दिया है।

इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

कार्रवाई में सहायक पुलिस निरीक्षक अमरदीप खांडे, सहायक फौजदार राजू मिश्रा, पो.ह. तुलसीदास लुटे, दीक्षितकुमार दमाहे, विठ्ठलप्रसाद ठाकरे, महेश मेहर, संजय चव्हाण, सुबोध बिसेन, सोमेंद्रसिंह तुरकर, रियाज शेख, राजकुमार खोटेले, भोजराज बहेकार, इंद्रजीत बिसेन, पुलिस कांस्टेबल राकेश इंद्रकर, हंसराज भांडारकर, छगन विठ्ठले, कुणाल बारेवार, निखिल मेश्राम, शैलेश निनावे, राम खंदारे, इमरान सैय्यद, विलेश ठाकरे तथा साइबर सेल के सहायक पुलिस निरीक्षक देविदास ठमके, पो.का. योगेश राहिले और श्रेयस लांबट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



इंट्राडे ट्रेडिंग में डूब गए

साढ़े तीन लाख रुपये

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने जांच तेज कर दी।

पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे के मार्गदर्शन में पुलिस ने गोपनीय जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। इस दौरान पता चला कि मृतक चंद्रशेखर दहीकर अपने घर में अकेले रहते थे। सितंबर २०२६ में उन्होंने आमगांव स्थित अपनी जमीन गांव के ही अजय

ब्राह्मणकर की मध्यस्थता से बेचने का सौदा किया था। इस सौदे के लिए खरीदार से ५ लाख रुपये टोकन के रूप में लिए गए थे, जिनमें से ४ लाख रुपये अजय के बैंक खाते में रखे गए थे।

हालांकि, जमीन के दस्तावेज सही नहीं होने के कारण रजिस्ट्री नहीं हो पा रही थी। इसके चलते जमीन का सौदा टूट गया और खरीदार को २७ अक्टूबर २०२६ को दोपहर १२ बजे तक पांच लाख रुपये वापस करने थे।

चंद्रशेखर दहीकर ने अजय से बैंक खाते में रखे ४ लाख रुपये वापस मांगे थे। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया कि अजय के करीब साढ़े तीन लाख रुपये इंट्राडे शेयर ट्रेडिंग में डूब गए थे।

इस कारण उसके पास पैसे लौटाने के लिए पर्याप्त रकम नहीं थी।

पैसे लौटाने के दबाव में

रची हत्या की साजिश

गोपनीय जानकारी के आधार पर संदेह के घेरे में आए अजय शामराव ब्राह्मणकर (२१ निवासी बोथली) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, पैसे लौटाने में असमर्थ होने के कारण २६ अक्टूबर की रात करीब १० बजे चंद्रशेखर दहीकर की हत्या करने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान, भाजपा ने खोला मोर्चा खड़गे का पूतला फूँका, जताया विरोध



► जिला प्रतिनिधि

गोंदिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में गोंदिया में भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा और वे सड़कों पर उतर आए।

२७ अक्टूबर मंगलवार को जयस्तंभ चौक पर भारतीय जनता पार्टी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने खड़गे का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया और उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल के नेतृत्व में गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जयस्तंभ चौक पर एकत्र हुए। हाथों में विरोधी की छवियां और जुबां पर नारों के साथ कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। 'प्रधानमंत्री

का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' और 'कांग्रेस पार्टी हाय-हाय' जैसे नारों से पूरा जयस्तंभ चौक गूँज उठा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले का दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

‘राजनीतिक मतभेद अपनी जगह,

प्रधानमंत्री पद की गरिमा सर्वोपरि’

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद देश की संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक है। ऐसे पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पद

की प्रतिष्ठा से भी जुड़ जाती है।

माफी की मांग पर भाजपा

का अल्टीमेटम..

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी कथित टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा और भाजयुमो चुप नहीं बैठेंगे। यदि खड़गे ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा जिला महामंत्री सुनील केलानका, दीपक कदम, छत्रपाल तुरकर, संजीव कुलकर्णी, विवेक मिश्रा, ऋषिकांत साहू, दीपा चन्द्रिकापुरे, आनंदा वाधिवा, न. प. उपाध्यक्ष संतोष पटेल सहित नारसैवक, भाजपा पदाधिकारी तथा युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक से मारपीट

गोंदिया। गंगाझरी थाना क्षेत्र के ग्राम सहसपुर निवासी फियादी जितलाल जानन गावडे (४२) यह

२१ अक्टू. के सुबह किसी काम से गंगाझरी आया था, इस दौरान चौक में प्रकाश सहारे से मछली खरीदते समय आरोपी मंगल कुंभरे (३०, निवासी मजीतपुर) वहां आया और फियादी से मछली लेकर देने को कहा। इनकार करने पर आरोपी ने धमकी देते हुए उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। हमले में जिलालाल घायल हो गया। जखमी के बयान पर पुलिस ने धारा ११८(१) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

ध्वनि और पर्यावरण प्रदूषण पर गोंदिया पुलिस सख्त

नागरिकों से नियमों का

पालन करने की अपील

नगर संवाददाता

गोंदिया। त्योहारों के दौरान ध्वनि और पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए गोंदिया पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। मुंबई उच्च न्यायालय के १५ अक्टूबर २०२६ के आदेश के अनुपालन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों, डीजे, संगीत प्रणालियों और पटाखों के अनिर्बंधित उपयोग से होने वाले ध्वनि एवं पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत नागरिकों की शिकायतें स्वीकार करने



के लिए अलग दूरभाष नंबर और ई-मेल सुविधा उपलब्ध कराने तथा इसकी जानकारी सार्वजनिक करने की कार्यवाही का जा रही है। गोंदिया पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की है। लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करते समय निर्धारित

समय-सीमा तथा ध्वनि की निर्धारित मर्यादा का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से बचने का भी आग्रह किया गया है। पुलिस प्रशासन ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। त्योहारों के दौरान नियमों का पालन कर नागरिक सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं। ध्वनि प्रदूषण से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए नागरिक गोंदिया पुलिस नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक ०७१८२-२३६१००, मोबाइल नंबर ९१३००३०५४८ अथवा ई-मेल sp.gondiamahapolice.gov.in पर संपर्क कर सकते हैं।

वन विभाग में क्लर्क की नौकरी का झांसा देकर 9४.७0 लाख की ठगी

जॉइनिंग लेटर और

सर्विस बुक देकर

फंसाया, ६ पर जुर्म दर्ज

अपराध संवाददाता

गोंदिया। सरकारी नौकरी पाने की चाह एक युवक को इस के १४ लाख ७० हजार गांवा दिया।

वन विभाग में क्लर्क की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर आरोपियों ने पहले १५ लाख रुपये में सौदा तय किया और फिर बड़ी रकम वसूल कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फियादी रोहित दिनेश भिवाडे (३२, निवासी माताटोली, राजेंद्र वार्ड, गोंदिया तथा वर्तमान निवासी श्रीराम नगर, तुमसर, जिला भंडारा) को वन विभाग में क्लर्क की नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने नौकरी लागवाने के नाम पर उसके साथ १५ लाख रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद फियादी से १४ लाख ७० हजार रुपये ले

लिए गए। इतना ही नहीं फियादी का विश्वास जीतने के लिए आरोपियों ने उसे ई-मेल के जरिए जॉइनिंग लेटर और सर्विस बुक उपलब्ध कराई। इसके अलावा डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) भी लिया गया। यह घटना १२ नवंबर २०२५ के दरमियान की है।

इस बीच ठगबाजी का अहसास होने के बाद फियादी युवक ने २६ अक्टूबर को गोंदिया शहर पुलिस की शरण ली।

इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी सुरेंद्र रिखीलाल टेंभरे (४० निवासी नितिननगर, आमगांव), फलेंदर ताराचंद हुकरे (२४, निवासी किकरीपार, आमगांव), देवेंद्र बेनीराम लांजेवार (२६ निवासी करंजी, वर्तमान निवासी रिसामा, आमगांव), दिलीप तांबोली, संजू सर उर्फ विवेकसिंह सिसोदिया (दोनों निवासी भोपाल) तथा सिंग सर उर्फ अभयराज (निवासी हाजिपुर वैशाली बिहार ह.मु. भोपाल) के खिलाफ अपराध क्रमांक ९४१/२०२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता, २०२३ की धारा ३१८ (४), ३३६ (२), (३), ३३७, ३३८, ३४१, ३ (५) के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। आगे की जांच पोपडिन चन्नावार कर रहे है।

► जिला प्रतिनिधि

गोंदिया। ब्रह्मज्ञान की वास्तविक सार्थकता उसे जीवन में अपनाने और अपने विचारों, व्यवहार एवं कर्मों में शामिल करने में है, ये दिव्य भाव सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने ७९वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के समापन दिवस पर लाखों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने पावन आशीर्वाचनों द्वारा प्रदान किए।

जागृति की आध्यात्मिक प्रेरणाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर स्वयं के उद्धान के साथ-साथ जगत कल्याण की भावना को सुदृढ़ करने वाला यह पावन संत समागम कल रात्रि प्रेमभक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत वातावरण में संपन्न हुआ।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने विशाल मानव परिवार को सम्बोधित करते हुए अपने पावन प्रवचनों में फरमाया कि 'जागृति' केवल सत्संग या समागम तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के हर पल में निराकार परमात्मा के अहसास के साथ जीने



का नाम है। ब्रह्मज्ञान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम इसे अपने विचारों, व्यवहार और कर्मों में अपनाएं।

सतगुरु माता जी ने सकारात्मक सोच, प्रेम, करुणा और विनम्रता अपनाने तथा दूसरों की कमियों के बजाय उनकी खूबियों को देखने की प्रेरणा दी। सच्ची जागृति का आरंभ अपने घर-परिवार और निजी जीवन से होता है। सेवा, सुमिरन और सत्संग की जीवन का अभिन्न अंग मानकर हर परिस्थिति में परमात्मा का एहसास बनाए रखना ही जीवन को सुखमय और आध्यात्मिक रूप से

समृद्ध बनाता है।

इस अवसर पर संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन दर्शन कर उनके दिव्य आशीर्वाद के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। साथ ही, समस्त साध-संगत तथा समागम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सरकारी विभागों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

इस वर्ष समागम के चारों दिन आयोजित कवि दरबार में बाल कवियों सहित महिला एवं पुरुष कवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

जो आकर्षण का एक मुख्य बिन्दु रहा।

इस अवसर पर ८० कवियों ने 'जागृति' विषय पर आधारित अपनी स्वरचित कविताएँ हिंदी, राजस्थानी, पंजाबी, अंग्रेज़ी, हरियाणवी, मुलतानी, मराठी, भोजपुरी एवं संस्कृत सहित विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुत कीं। इन भावपूर्ण काव्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया और सभी ने इस आयोजन का भरपूर आनंद प्राप्त किया।

इस प्रकर संत समागम सतगुरु के दिव्य संदेश, प्रेम, भक्ति एवं मानवता के भावों से ओतप्रोत वातावरण में संपन्न हुआ।

संपादकीय

शिकंजे में जकड़ी कांग्रेस

देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी वामपंथ के साथ समाजवाद से भी प्रभावित थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस पार्टी की छवि मध्यमार्गीय दल की बनाए रखी और इसी कारण सभी वर्गों के बीच उसका जनाधार था। इंदिरा गांधी ने भी मध्यमार्ग पर ही चलना पसंद किया। यह बात और है कि एक समय सत्ता बचाए रखने के लिए उन्होंने वामपंथियों का साथ लिया। इसके बदले में उन्होंने शिक्षा एवं अकादमिक संस्थान वामपंथियों के हवाले कर दिए, लेकिन वे जानती थीं कि कांग्रेस की शक्ति मध्यमार्गीय दल बने रहने में ही है। इंदिरा जी के बाद राजीव गांधी ने भी कांग्रेस को मध्यमार्ग में ही रखने की कोशिश की, पर उनके कुछ करीबी वामपंथी भी थे। नरसिंह राव को अपनी अल्पमत सरकार चलाए रखने के लिए वाम दलों का साथ लेना पड़ा, लेकिन वे उनके प्रभाव-दबाव में नहीं आए और इसी कारण देश का कायाकल्प करने वाले आर्थिक सुधार लागू कर पाए। मनमोहन सिंह को भी वाम दलों का सहयोग लेना पड़ा, लेकिन वे एक सीमा से अधिक उनके दबाव में नहीं आए। उन्होंने अमेरिका से परमाणु समझौते पर वाम दलों के विरोध की परवाह नहीं की। हालांकि इसी दौर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की ‘सुपर सरकार’ कही जाने वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में वामपंथियों का बोलबाला था। इस परिषद में ज्यॉं ट्रेज, हर्ष मंदर, अरुणा राय जैसे वामपंथी रूढ़ान वाले शामिल थे और उनके प्रभाव में मनमोहन सरकार की कई नीतियां भी बनीं। जब घोषित और अधोषित रूप से कांग्रेस की कमान राहुल गांधी के हाथों में आई तो प्रारंभ में उनके करीबी कांग्रेस के दूसरी पीढ़ी के युवा नेता थे, लेकिन एक-एक करके वे उनका साथ छोड़ गए। इनका स्थान लेना शुरू किया वाम विचार वाले नेताओं ने। अन्ना आंदोलन के समय जिन धुर वामपंथी प्रशांत भूषण ने आंदोलनजीवी के रूप में उभरे योगेंद्र यादव के साथ मिलकर कांग्रेस की ईंट से ईंट बजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, वे आज राहुल के प्रमुख सहयोगियों में से हैं। इन्हीं योगेंद्र यादव ने एक बार कहा था कि कांग्रेस को मर जाना चाहिए। हाल के वर्षों में राहुल के आसपास वामपंथी विचार वाले नेताओं की जुटान भी बढ़ी है और कांग्रेस में उनका प्रभाव भी। वामपंथी छात्र नेता कन्हैया कुमार को कांग्रेस में आए लंबा समय हो गया है, लेकिन फिलहाल वे हाशिए पर दिखते हैं। उनकी जगह नई एंट्री नेहा बोरा की होती दिख रही है। बीते दिनों राहुल ने वोट चोरी के अपने शिर्षक के तहत जो धरना-प्रदर्शन किए, उसमें नेहा की खासी भूमिका रही। नेहा ने कारकोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन को भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। राहुल वाम रूढ़ान वाले इस समूह को भी करीब लाने जा रहे हैं। राहुल ने अपनी प्रेस कॉंफ्रेंस में नेहा और प्रशांत भूषण को बोलने का खास तौर पर अवसर दिया। इससे यही लगा कि उन्हें अपने छात्र संगठन के नेताओं पर उतना भरोसा नहीं, जितना वामपंथी छात्र नेता नेहा पर है। कन्हैया भाकपा के छात्र संगठन के नेता थे तो नेहा वामपंथी छात्र संगठन आइसा की अध्यक्ष हैं। यह संगठन भाकपा (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन से जुड़ा हुआ है। वामपंथ की यह धारा नक्सलबाड़ी के हिंसक संघर्ष से निकली मानी जाती है। इस दल ने हिंसक माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियानों को रोकें जाने की मांग की थी और आइसा ने तो बाटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के लिए न्याय की मांग करते हुए जुलूस निकाला था। आपको यह याद ही होगा कि एक बार सलमान खुशींद ने कहा था कि उन्होंने जब बाटला हाउस में मारे गए युवकों के फोटो सोनिया जी को दिखाए तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। भाकपा-माले लिबरेशन बिहार में कांग्रेस का सहयोगी और आइएनडीआइए का भी घटक है। इस तथ्य से अवगत होना भी आवश्यक है कि अन्य देशों की तरह भारत में भी इस्लामिस्टों और कम्युनिस्टों में जुगलबंदी है। इस जुगलबंदी के कई चेहरे भी राहुल के करीबियों में शामिल हो गए हैं। वामपंथी रूढ़ान और सोच वाले नेता कांग्रेस में पहले भी रहे हैं, पर यह पहली बार है, जब उनकी अधिकता देखी जा रही है और इनमें धुर वामपंथी किस्म के लोग भी हैं। समस्या यह नहीं कि राहुल गांधी के करीबियों में घोर वामपंथी भी हैं। समस्या यह है कि उनके भाषणों, नीतियों और कार्यशैली में इन धुर वामपंथियों की छाप गहरी होती जा रही है। राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में ऐसे कट्टर वामपंथियों से भी मिलने लगे हैं। वे अपने धरना-प्रदर्शन और रैलियों में घटक दलों और वामपंथी छात्र संगठनों के सहयोग से भीड़ तो जुटा सकते हैं, पर कांग्रेस का जनाधार शायद ही बढ़ा पाएँ।

मनपा के कृत्रिम तालाबों में देवी दुर्गा की कुल ९७८ मूर्तियों का विसर्जन

संवाददाता

नागपुर। नवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में शहर में श्री दुर्गा देवी की प्रतिमाओं के आगमन के बाद उनके विसर्जन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नागपुर नगर निगम ने शहर के विभिन्न स्थानों पर कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की है। बड़े आकार की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए गोरेवाड़ा रिंग रोड , पुलिस लाइन टाकली और कोराडी में विशेष कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं ।

भक्तों ने पर्यावरण के अनुकूल तरीके से शहर के विभिन्न कृत्रिम झीलों और जलकुंडों में देवी दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन किया। पांच

दिनों में कुल ९७८ मूर्तियों का विसर्जन किया गया। महापौर श्रीमती नीता ठाकरे और नगर आयुक्त डॉ। विपिन के मार्गदर्शन में प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्था की गई और प्रतिमा का विसर्जन किया गया। नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों ने इन कृत्रिम झीलों में क्रेन की व्यवस्था की और जलमग्न करने में मदद की।

लक्ष्मी नगर जोन में निर्मित कृत्रिम तालाब में पांच दिनों में श्री दुर्गा देवी की कुल ८९ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। धंतोली जोन में निर्मित कृत्रिम तालाब में श्री दुर्गा देवी की कुल ३२ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। नेहरू नगर जोन

में निर्मित कृत्रिम तालाब में श्री दुर्गा देवी की कुल ३७ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। इसके अलावा, गोरेवाड़ा रिंग रोड पर नगर निगम द्वारा निर्मित कृत्रिम तालाब में पांच दिनों में श्री दुर्गा देवी की कुल ३५९ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। पुलिस लाइन टाकली पर नगर निगम द्वारा निर्मित कृत्रिम तालाब में पांच दिनों में श्री दुर्गा देवी की कुल १५४ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं और कोराडी पर नगर निगम द्वारा निर्मित कृत्रिम तालाब में पांच दिनों में श्री दुर्गा देवी की कुल ३०७ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। इस प्रकार, शहर में श्री दुर्गा देवी की कुल ९७८ प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। नेहरू नगर जोन

वृद्धाश्रम में हुआ विशेष कार्यक्रम

संवाददाता

नागपुर। अखिल भारतीय व्यावसायिक चिकित्सक संघ-नागपुर शाखा द्वारा व्यावसायिक चिकित्सा विद्यालय एवं केंद्र, शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल, नागपुर के सहयोग से वृद्धाश्रम, स्नेह सदन, उंटखाना, नागपुर में विश्व व्यावसायिक चिकित्सा दिवस २०२६ मनाया गया।

इस अवसर पर स्नेह सदन की प्राचार्या सिस्टर इडा ने व्यावसायिक चिकित्सा टीम द्वारा प्रदान की जा रही मूल्यवान सेवाओं की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को बधाई दी। डॉ. रिद्धि कटारिया, संयोजक,



आईओटीए नागपुर शाखा ने वृद्धावस्था में व्यावसायिक चिकित्सा की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने वृद्धजनों को दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भर बनाए रखने,

उन्हें सार्थक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करने तथा उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के महत्व को समझाया।

डॉ. अश्विनी दहाट, सह-

संयोजक, ने वर्ष २०२६ की थीम ‘सक्रिय सहभागिता को सक्षम बनाना’ का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि इस थीम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाना है।

डॉ. लीना देशपांडे, व्यावसायिक चिकित्सा विद्यालय एवं केंद्र, ऋतुउक, नागपुर ने इस पहल के प्रति अपना सहयोग व्यक्त किया

तथा इस विशेष अवसर पर पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धाश्रम के निवासियों को विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागी बनाना

बीमारी का फायदा उठाकर महिला से दुष्कर्म

आरोपी गिरफ्तार, महागांव पुलिस की कार्रवाई

संवाददाता

यवतमाल। मानसिक बीमारी से पीड़ित २९ वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में महागांव पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। यह मामला अस्पताल से मिले पत्र के बाद सामने आया।

पुलिस के अनुसार १९ अगस्त २०२५ को यवतमाल के

सरकारी अस्पताल से महागांव पुलिस को एक पत्र प्राप्त हुआ था। इसमें बताया गया था कि संबंधित महिला १९ हफ्ते १ दिन की गर्भवती है। उपचार के लिए उसे वसंतराव नाईक सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया था। महिला की मां से पूछताछ करने पर पता चला कि वह वेणी धरण और सवना परिसर में

घूमती रहती थी। इसी दौरान मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके साथ बलात्कार किया, ऐसा संदेह जताया गया। मां के बयान के आधार पर महागांव थाने में मामला दर्ज किया गया। गोपनीय जानकारी की आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के बाद

घर से बिछड़े नाबालिग बालक को पिता से मिलाया

आरपीएफ चंद्रपुर की सतर्कता काम आई



संवाददाता

नागपुर। मध्य रेल के नागपुर मंडल के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), चंद्रपुर ने सतर्कता एवं तत्परता का परिचय देते हुए रेलवे स्टेशन पर अकेले मिले एक नाबालिग बालक को सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द किया।

दिनांक २६ अक्टूबर २०२६ को लगभग १२:३० बजे उपनिरीक्षक नितिन अवसरमल एवं आरक्षक धीरज दलाल चंद्रपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर १ पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक बालक को डरा-सहमा हुआ अकेले बैठे देखा। पूछताछ के दौरान बालक यात्रा के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। इसके बाद उसे आरपीएफ पोस्ट, चंद्रपुर लाया गया तथा जिला चाइल्ड हेल्पलाइन, चंद्रपुर को सूचित किया गया।

सूचना मिलने पर जिला चाइल्ड हेल्पलाइन की समुपदेशिका सुश्री दीपाती मसगम आरपीएफ पोस्ट पहुंचीं और बालक से पूछताछ की। बालक ने बताया कि घर में हुए घरेलू विवाद के बाद वह अपनी मां से नाराज होकर घर से निकल गया था। बाद

में वह नागपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से ट्रेन द्वारा चंद्रपुर आया। बालक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर आरपीएफ ने उसके पिता से संपर्क किया। पिता ने बालक को अपना पुत्र बताते हुए उसे लेने चंद्रपुर आने की जानकारी दी। कुछ समय बाद पिता आरपीएफ पोस्ट पहुंचे। बालक एवं उसके पिता ने एक-दूसरे को पहचान लिया। बालक ने भी अपने पिता के साथ जाने की सहमति व्यक्त की।

इसके पश्चात उपनिरीक्षक नितिन अवसरमल ने आवश्यक कागजी एवं कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। जिला चाइल्ड हेल्पलाइन की प्रतिनिधि एवं पंचों की उपस्थिति में नाबालिग बालक को सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

मध्य रेल, नागपुर मंडल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ बच्चों के संरक्षण एवं सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। आरपीएफ कर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बालक को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

दोहरे हत्याकांड में अन्य दो संदिग्ध हिरासत में

यवतमाल। शहर के संकटमोचन परिसर स्थित शासकीय छात्रावास के आवास में शनिवार रात हुए दोहरे हत्याकांड की जांच में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। स्थानीय अपराध शाखा ने बित्तम पाथोडे की हत्या के मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

मामले में अपराध दर्ज होने के बाद पुलिस ने पांच लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया था। हालांकि, बित्तम पाथोडे की हत्या में शामिल आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका को लेकर जांच जारी है।

इस बीच, स्थानीय अपराध शाखा ने समानांतर जांच शुरू करते हुए दो अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया है। हत्याकांड के पीछे का कारण और घटना का वास्तविक घटनाक्रम अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। दोहरे हत्याकांड का घटनाक्रम गंभीर है शहर में हुई इस घटना से चिंता व्याप्त है।

रत्नीबाई विद्यालय की शगुन जोशी ‘मिस इंडिया’ प्रतियोगिता के लिए चयनित

संवाददाता

वर्धा। रत्नीबाई विद्यालय, जो कला, खेल और संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में अपने छात्रों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करता है, ने अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। इस विद्यालय में कक्षा सातवीं (हिंदी माध्यम) में पढ़ रही युवा छात्रा शगुन जोशी ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर मॉडलिंग और अभिनय के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है।

शगुन ने इससे पहले पूनम प्रोडक्शन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लेकर मिस महाराष्ट्र (किशोरी वर्ग) का खिताब जीता था। उनकी सफलता यहीं नहीं रुकी, बल्कि अब अगले दौर में उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा



के बीच से सीधे राष्ट्रीय स्तर की मिस इंडिया प्रतियोगिता के लिए चुन लिया गया है। उन्हें एक आगामी मराठी फिल्म के लिए भी चुना गया है और जल्द ही वे बड़े पर्दे पर नजर आएंगी।

अ.भा. खंडेलवाल समाज परिचय सम्मेलन कार्यालय का शुभारंभ



संवाददाता

नागपुर। खंडेलवाल महिला मंडल, नागपुर के तत्वावधान में आगामी ९ एवं १० जनवरी २०२७ को आयोजित होने जा रहे १८वें अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य वैवाहिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन के आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस

अवसर पर रविवार, दिनांक २५ अक्टूबर २०२६ को सम्मेलन कार्यालय का उद्घाटन किया गया। साथ ही सम्मेलन से संबंधित परिचय के फॉर्म एवं आधिकारिक वेबसाइट का विमोचन भी किया गया।

इस कार्यक्रम में सहयोगी संस्थाओं खंडेलवाल भवन समिति एवं खंडेलवाल सेवा

पेज १ का शेप

आपराधिक तरीके...

टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा ने टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन को दोबारा नियुक्त करने संबंधी प्रस्ताव की वैधता पर सवाल उठाए हैं। यह प्रस्ताव १७ सितंबर को हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में पारित किया गया था।

भूकंप के...

पर काफी तेज महसूस होता है। हालांकि, केंद्र आबादी वाले प्रमुख शहरों से कितनी दूर था, इसका विस्तृत व्योरा जुटाया जा रहा है और किसी बड़े जान-माल के नुकसान की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है।

सड़क हादसे...

उतरे और वहां से घर जाने के लिए एक टेंपो में सवार हो गए। टेंपो में विशाल कुमार, उनकी पत्नी, दो बच्चे, चालक और खलासी समेत

त्योहारों पर मिलावटखोरों के खिलाफ छापेमारी की मांग

दूध, मावा, पनीर, मिठाई और किराना सामग्री की हो जांच

संवाददाता

यवतमाल। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में संभावित मिलावट पर रोक लगाने के लिए जिले में विशेष जांच अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। दूध, मावा, पनीर, मिठाई, होटल और किराना दुकानों पर अचानक छापेमारी की जाए। यह मांग नवक्रांति संगठन के संस्थापक अध्यक्ष अनिल हमदापुरे ने राज्य के अन्न व औषधि प्रशासन आयुक्त तुकाराम मुंडे को निवेदन भेजकर की है।

त्योहारों में दूध, घी, पनीर, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटी, घटिया और अवधि समाप्त हो चुके खाद्य पदार्थों की बिक्री की आशंका रहती है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। संगठन ने जिले के दूध उत्पादकों, दूध संकलन केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों, मिठाई की दुकानों, होटल, रेस्तरां और खानाबल्लों की सघन जांच करने की मांग की है।

संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर अधिकृत प्रयोगशालाओं में जांच कराई जाए। खाद्य तेल, घी, रागों, स्क्वछला, भंडारण व्यवस्था और खाद्य पदार्थों की वैधता भी जांची जाए।

इसके अलावा किराना दुकानों, शोक व्यापारियों, वितरकों और गोदामों में रखी सामग्री की गुणवत्ता, पैकिंग, लेबलिंग तथा उत्पादन और समाप्ति तिथि की पड़ताल की जाए। शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण बाजारों में भी विशेष जांच दल नियुक्त कर छापेमारी की जाए।

निवेदन में कहा गया है कि मिलावटी या असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर विनोद दोंदल, करण मोहिते, गाजी अली, शिवम नांदुरकर, सौरभ अनसिंगकर, अनिल मुंजेवार, रेहान लाला और आशीष सरळकर उपस्थित थे।

गुणवत्तापूर्ण परंपरा

रत्नीबाई विद्यालय हमेशा से ही विभिन्न कलाओं और कौशलों को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्ध रहा है। विद्यालय केवल किताबी ज्ञान पर ही जोर नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को भी पहचानता है। शिक्षकों के समयोचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन तथा विद्यालय के अध्ययनशील और कलात्मक वातावरण के कारण शगुन जैसी कई छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय का नाम रोशन कर रही हैं। यह सब शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से ही संभव हो पाया, भावुक हो उठीं शगुन जोशी ने कहा। उन्होंने आगे कहा, विद्यालय के शिक्षकों द्वारा मुझ पर दिखाए गए विश्वास और समय-समय पर दिए गए प्रोत्साहन के कारण ही मैं आत्मविश्वास के साथ इस मुकाम पर खड़ी हो पाई हूँ।

स्पर्श सेवा केंद्र का उद्घाटन

नागपुर। रक्षा पेंशनभोगियों को पेंशन संबंधी कार्यों के लिए होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से कामठी स्थित पीएओ (ओआर) दगाइर्स में स्पर्श सेवा केंद्र शुरू किया गया है। रक्षा लेखा महानियंत्रक अलका नांगिया अरोड़ा ने मंगलवार को केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र के माध्यम से रक्षा पेंशनभोगियों, रक्षा विभाग के सिविल पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को पेंशन से जुड़ीं विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। केंद्र में पेंशन संबंधी सेवा अनुरोध दर्ज कराने, शिकायतों के निराकरण में सहायता लेने और वार्षिक जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा पेंशनभोगियों के डेटा का सत्यापन करने तथा आधार, पैन, बैंक का पता और बैंक खाते जैसी व्यक्तिगत जानकारीयों में सुधार या बदलाव कराने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

ईवीएम के...

यहां जद (एस) के एपी रंगनाथ ने कांग्रेस के मौजूदा विधान पार्षद पुट्टना को १०८ मतों से पराजित किया। रंगनाथ को १०,८१० मत मिले, जबकि पुट्टना को ९,९०२ मत प्राप्त हुए। पुट्टना वर्ष २०२३ के विधानसभा चुनाव से पहले जद (एस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

आंध्र में...

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के १६ जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए। निचले इलाकों में रहने वाले लगभग ३० हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में प्रभावित लोगों को आश्रय देने के लिए करीब ४ हजार चक्रवात आश्रय स्थलों की व्यवस्था का उल्लेख भी रिपोर्ट में किया गया है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखते हुए एहतियाती कदम उठाए।

शिरपुर में वेकोलि की ब्लास्टिंग से १४ वर्षीय बालिका जख्मी

योग मित्र मंडल का रजत महोत्सवी योग सम्मेलन

संवाददाता
उमरेड। उमरेड शहर से सटे वेकोलि के मकरधोकड़ा कोयला खदान परिसर में होने वाली ब्लास्टिंग से उडा पत्थर शिरपुर गांव निवासी १४ वर्षीय बालिका प्रवज्या बुद्धश्याम नागदेवते की गर्दन पर लगने की घटना मंगलवार की शाम ५.३० से ६ बजे के करीब घटी। इस घटना से ग्रामवासियों में भारी आक्रोश है. ब्लास्टिंग बंद करने की मांग को लेकर ग्रामवासियों ने पुलिस को पाचारण किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक धनाजी जलक अपने साथी कर्मचारियों के साथ तत्काल शिरपुर गांव में पहुंचे। इस अवसर पर ब्लास्टिंग मामले को लेकर पुलिस व ग्रामवासियों में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति निर्माण हुई थी।

शिरपुर गांव समीप वेकोलि की खदान परिसर में होने वाली ब्लास्टिंग के कारण पत्थर उडकर गांव में गिरने की घटनाएं इसके पूर्व भी घटित हुई हैं। इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन का ध्यानकर्षण करने हेतु ज्ञापन दिया गया था। लेकिन आज तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं किए जाने से ग्रामवासियों ने नाराजगी व्यक्त की है। गांव के तीन भागों में वेकोलि डम्पिंग यार्ड होने से ग्रामवासियों की अडचनें कम होने के बजाय और बढ गई है। खदान परिसर में ब्लास्टिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विस्फोटकों के



कारण गांव धूप की चादर से लपेटा रहता है। ब्लास्टिंग से उडने वाले पत्थर, विस्फोटक की तेज आवाज एवं गांव में फैलने वाले धूप के कारण नागरिकों की सुरक्षा का प्रश्न गंभीर बना हुआ है। खास कर नन्हें बच्चे, महिला, वृद्ध नागरिक एवं गांव से आवागमन करने वाले नागरिकों की जान को धोका निर्माण होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। गांव के तीनों बाजू से खदान और डम्पिंग यार्ड होने से नागरिकों को सुरक्षित वातावरण में जीवित रहने का प्रश्न निर्माण हुआ है।

बता दें कि इसके पूर्व शिरपुर गांव में ब्लास्टिंग के पत्थर उडकर गांव में गिरने की घटनाएं घट चुकी है। ग्रामवासियों ने इस संबंध में कई बार वेकोलि प्रबंधन को ज्ञापन दिया था लेकिन वेकोलि प्रबंधन के अडौयल रवैये के कारण स्थायी हल नहीं निकलने का

आरोप नागरिकों ने लगाया है। १४ वर्षीय बालिका पर पत्थर गिरने की घटना से बौखलाए ग्रामवासियों का संयम छूट गया. जिस कारण कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति निर्माण हुई थी। ब्लास्टिंग तत्काल बंद करें, वेकोलि प्रबंधन एवं उससे संबंधित प्रशासन द्वारा गंभीरतापूर्वक इस मामले की जांच की जाए एवं गांव में पत्थर नहीं उड पाए इसके लिए ठोस उपाय किए जाने की मांग शिरपुर गांव के नागरिकों ने की है.

बार बार हो रही ऐसी दुर्घटनाओं के उपरांत नागरिकों की सुरक्षितता का प्रश्न कायम रहने से वेकोलि प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा आगामी दुर्घटना को रोकने के लिए ठोस उपाय योजना पर अमल करने की अपेक्षा नागरिकों ने व्यक्त की है. पुलिस निरीक्षक धनाजी जलक की शिष्टाई से तनाव की स्थिति काबू में लाने में सफलता मिली।

संवाददाता
उमरेड। योग मित्र मंडल उमरेड के योग साधकों ने अपनी निष्ठा से स्वास्थ्य आंदोलन को एक व्रत के तौर पर स्विकार करना चाहिए। योग बेचने की बात नहीं है तो वह सीखने की बात है। योग सात समंदर पार ले जाने का कार्य जनार्दन स्वामी ने किया है। वही कार्य योग मित्र मंडल कर रहा है ऐसा प्रतिपादन रजत महोत्सव के उद्घाटक योगाभ्यासी मंडल के कार्यवाह मिलिंद वझलवार ने किया। उसके पूर्व परमपूज्य जनार्दन स्वामी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। मनीषा पांडे व अमिता अग्रवाल ने योग गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। इस कार्यक्रम में विधायक संजय मेश्राम, पूर्व विधायक सुधीर पारवे, पूर्व विधायक राजू पारवे,नगराध्यक्षा प्राजका कार, पूर्व नगराध्यक्षा विजयलक्ष्मी भदोरिया, पूर्व नगराध्यक्ष गंगाधर रेवतकर, डॉ।



शशिकांत जायसवाल, दिलीप सोनटके, अनिलकुमार गोविंदानी, वसुधा खंते, नगरसेवक सतीश चौधरी की प्रमुखता से उपस्थिति थी। प्रास्ताविक राजकुमार पांडे ने किया।संचालन अरुणा भोंडे ने किया।आभार संध्या गोतमारे ने माना।रजत महोत्सव का प्रारंभ पूर्व संध्या की निकाली गई भव्य योग जनजागरण रैली से किया गया। एक दिवसीय योग सम्मेलन में श्याम देशपांडे के योग वर्ग, अविनाश काले के शुद्धिक्रिया प्रात्यक्षिक, मिलिंद वझलवार की अंतरंग साधना, डॉ. अनिरुद्ध गुर्जलवार व शशांक भंडारी का योगोपचार वर्ग,

प्रणव पटवारी का राष्ट्रभक्ति योग पर प्रवचन, श्याम देशपांडे व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतगायन प्रस्तुत किया गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता महेश जोशी ने की। संचालन गंगाधर काटवले, सुमित्रा हेडाऊ, विवेक सातेलवार ने किया। आभार विनोद खोडे, मंगला व्यवहारे, कृष्णा हेडाऊ ने माना। अरुणा हजारे, दीपिका जुमडे, मंगला व्यवहारे, सोनाली चंदनखेडे के समूह ने योग नृत्य प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम को जनार्दन स्वामी योगाभ्यासी मंडल नागपुर, उमरेड यूथ फाउंडेशन, महिला पतंजलि योग समिति उमरेड, गुरुकुल अकादमी

उमरेड, गोदेरेज फीडबैक फाउंडेशन, नगरसेविका पूजा ब्रम्हे, शालिनी गवली ने विशेष सहकार्य किया।सफलतार्थ शरद व्यवहारे, गजानन ठाकरे, संजय मुले, मुकुंदा नागपुरे, मनोहर तोंडे, रामभाऊ तांबडे, नंदकिशोर बासोडे, सतीश गुप्ता, ज्योति सारडा, संगीता मिश्रा, जया ठाकरे, शालिनी सोनटके, अर्चना सोनकुसरे, कल्पना सोनपुरे, रजनी कोल्हे, जयश्री तीनखेडे सहित अन्य योगसाधकों ने सहकार्य किया। इस कार्यक्रम में चंद्रपुर, यवतमाल, नागपुर, भिवापुर सहित अन्य जिलों के योगसाधक बडी संख्या में उपस्थित थे।

क्रांटम सॉफ्टवेयर एवं कम्युनिकेशन लैब की होगी स्थापना

संवाददाता
नागपुर। नागपुर स्थित रामदेवबाबा यूनिवर्सिटी (आरबीयू) और सिकंदराबाद स्थित डीप-टेक स्टार्टअप कंपनी 'काइक्लिडर'वाॅयन्स क्रांटम लैब्स प्राइवेट लिमिटेड' के बीच एक

महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय परिसर में क्रांटम सॉफ्टवेयर लैब और क्रांटम कम्युनिकेशन हाईवेयर लैब की स्थापना की

जाएगी। दो वर्षों की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को क्रांटम तकनीक के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान और आधुनिक तकनीकी कौशल विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराना है।



पारवे कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शिष्टाचार एवं व्यवहार कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता
उमरेड। पारवे कॉलेज ऑफ नर्सिंग भिवापुर में विद्यार्थियों में शिष्टाचार, उचित व्यवहार, प्रभावी संवाद कौशल एवं व्यावसायिक व्यक्तिमत्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिष्टाचार एवं व्यवहार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के निदेशक कृष्णकुमार मिश्रा, संस्था सहसचिव दीपिका पारवे एवं महाविद्यालय की प्राचार्या चारुलता गुलघाने की प्रमुखता से उपस्थिति थी। मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। प्राची कावले, श्रुति केलझरकर व प्रिन्सी रामटेके ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के निदेशक कृष्णकुमार मिश्रा ने दैनिक जीवन में

शिष्टाचार, उचित व्यवहार, बातचीत की शैली, देहबोली, प्रभावी संवाद कौशल, विनम्रता एवं व्यावसायिक जीवन में अनुशासन के महत्व के बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग क्षेत्र में मरीजों , उनके परिवर्जों, सहकर्मियों एवं वरिष्ठों के साथ सम्मानजनक, संवेदनशील और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन इशिका फुलब्रेले ने किया। आभार मोहिनी दुकरे ने माना।सफलतार्थ ममता मेश्राम, राकेश वाघमारे, प्रकाश देवीकर आदियों ने सहकार्य किया। विद्यार्थियों के व्यक्तिमत्व विकास के साथ साथ उनमें मूल्यों और व्यवहार कौशल को विकसित करने की दृष्टि से यह कार्यशाला उपयोगी एवं मार्गदर्शक साबित हुई।



संवाददाता
उमरेड। उमरेड नगर परिषद व सुदर्शन समाज के संयुक्त तत्वावधान में उमरेड नगर परिषद सभागृह में आद्यकवि महर्षि वाल्मिकी जयंती बडे उत्साह एवं श्रद्धाभाव से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान वाल्मिकि समाज बंधुओं ने महर्षि वाल्मिकी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ यैरिका ताजने एवं मुख्य अतिथि अनिल येवले के हाथों दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रमुखता से उपस्थित सुदर्शन महाराज मंदिर के विश्वस्त दिनेश तांबेकर ने महर्षि वाल्मिकी महाराज के

जीवन चरित्र एवं उनके द्वारा रचित महाकाव्य रामायण के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। महर्षि वाल्मिकी महाराज के विचार आज भी प्रासंगिक है। उनका जीवन हमें आत्मसुधार और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस कार्यक्रम में नगर परिषद उमरेड के पदाधिकारियों ने सुदर्शन समाज व नगर परिषद के स्वच्छता कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उनका विशेष सम्मान किया। इस दौरान समाज की उन्नति, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर बल दिया गया।

इस कार्यक्रम में नगर परिषद के

अधिकारी राहुल राजूत, वैष्णवी गजरे, भारती साठे, नीलिमा निगदे, अमोल कांबले, सुदर्शन समाज के नितेश तांबेकर, मनोहर तांबेकर, जय मस्ते, आशीष संदेश, सुमित तांबेकर, शोभा तांबेकर, भारती तांबेकर, धीरज महातो, आशीष सोनेकर, विजय तांबेकर, अंकित सोनेकर, विजय मोगरे, प्रतिभा करीहार, पंकि समुदे, भारती डकाहा, सरिता बक्सरे, रोशनी खरे, लता मोगरे, सैजल समुदे सहित गणमान्य नागरिक, महिलाएं और युवा बडी संख्या में उपस्थित थे। संचालन यैरिका ताजने ने किया। आभार सुधीर सांडेकर ने माना।सफलतार्थ सुदर्शन समाज के कार्यकर्ताओं ने सहकार्य किया।

अंतर महाविद्यालय वाद-विवाद एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता हुई

३० कॉलेजों के ८० छात्रों ने लिया भाग



संवाददाता
नागपुर। महाविद्यालय तथा पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पश्चिम क्षेत्र-१, क्षेत्रीय मुख्यालय नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय वाद-विवाद एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन संस्था के सचिव राजेश लालवानी के मार्गदर्शन में किया गया।

निर्णायक के रूप में सुबोध भोवते और डॉ. सपना तिवारी तथा रील मेकिंग प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में मिथिलेश गीता गानार और सुशी मानवी अमर भाग्यडे ने मूल्यांकन किया। जिसका संचालन डॉ मोनिका गजर्गिए ने किया।

इस प्रतियोगिता का कुशल सूत्रसंचालन बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा चैताली सहारे तथा बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा कु खुशी गुप्ता व कार्ययका की संयोजिका डॉ. सुपेश्वरी डबली ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजिका प्रा। डॉ. बर्बता थूल ने किया। रील मेकिंग प्रतियोगिता में शपथ दिलाई गई। इस प्रतियोगिता में ३० कॉलेजों के लगभग ८० प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वी। सी। शेखर, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) तथा एम। श्रीनिवास राव, वरिष्ठ की उपमहाप्रबंधक (सतर्कता) उपस्थित रहे। पावरग्रिड की पूरी टीम श्रीकांत गजबे, तनय नरेरा, वैभव पानमंद और प्रतीक केरकट्टा का इस प्रतियोगिता में विशेष योगदान रहा। पावरग्रिड परिवार द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए ट्रॉफी, नकद राशि पुरस्कार, प्रमाण-पत्र और जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ। श्रद्धा अनिल कुमार ने की। वाद-विवाद प्रतियोगिता में

प्रथम वर्ष की छात्रा कु खुशी गुप्ता व कार्ययका की संयोजिका डॉ. सुपेश्वरी डबली ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजिका प्रा। डॉ. बर्बता थूल ने किया। रील मेकिंग प्रतियोगिता में शपथ दिलाई गई। इस प्रतियोगिता में ३० कॉलेजों के लगभग ८० प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।



महल में करवा चौथ निमित्त मेहंदी शिविर

नागपुर। चिटनीसपुरा शारदा उत्सव मंडल, झंडा चौक,महल में सांसद नितिन गडकरी के सहयोग से खासदार सांस्कृतिक महोत्सव के अंतर्गत करवा चौथ निमित्त महिलाओं को मेहंदी लगाने का शिविर लगाया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने शिविर का लाभ उठाया। मेहंदी कलाकार दीपा झोड़े एवं टीम का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सफलतार्थ मंडल की ममता मानेकर, सुनीता मिश्रा, नतर्माश मिश्रा, शीतल दीक्षित, कुसुम तिवारी, सुरेखा चौहान, भाग्यश्री ठाकरे, अनीता जैन आदि ने प्रयास किया।

शब्दवर्गपहेली क्र.-३९३३

1	2	3	4		5	6	7	8	9	10		11	12		13	14
15				16	17	18						19			20	
			21			22			23			24			25	26
27		28		29			30	31				32		33		
				34			35					36		37		38
39	40	41			42		43		44	45		46				47
		48					49					50		51		52
53			54			55			56			57	58		59	
				60			61		62			63		64		65
66			67	68		69	70		71	72		73		74		
				75			76		77	78		79	80	81		82
90		91		92		93						94			95	
102	103			104	105				106	107				108		
110				111					112							114

बायें से दायें :-

1) भलाई, सेवा व सहायता 5) आसमान, गगन 8) अपरिचित व्यक्ति 13) सपना, निद्रा की अवस्था में चित्त –गोचर अनुभव 15) जीवनयापन का ढंग 18) पुरी तरह से नष्ट होना 19) गिरीश कर्नाड और जयाप्रदा की एक पुरानी फिल्म 21) रद्द करना 23) उपपत्ति, स्त्री का प्रेमी 24) दिवंगत अभिनेता, गायक किशोरकुमार के गायक बेटे का नाम 25) जनानखाना 27) योगासन में से एक 29) राजा जनक के दामाद 30) एक देश जिसकी राजधानी तेहरान है 32) एक द्वीप 33) नाव का वह अंग जिससे उसे घुमाया या मोड़ा जाता है 34) उचित 37) रनान कराना 39) किस समय 41) पानी 42) संजय दत्त की मां का नाम 44) एक धातु 46) सरकना, जरा अलग होना 47) वस्तू 48) अनुचित

49) केश 50) तुच्छ 51) किसी चीज आदि को रोक लेना 52) मां 53) नदी का किनारा 54) जुम्मा जुम्मा देदे.... गीत वाली एक पुरानी फिल्म 55) अपमान 57) रंग बदलनेवाला एक जीववस्तु 59) लक्ष्मी 60) तस्कर 61) चित 62) तरीका 63) उड़ान (उड़ूँ) 64) वर्ण 65) अर्ध 66) गुलाम 67) एक रंग 69) फिल्म एक दुजे के लिये में कमल हसन का नाम 71) शव 73) एक किस्म की रोटी 74) लकड़ियां बेचकर जीवननिर्वाह करनेवाला 75) अनियंत्रित 77) अपनत्व 80) सियाार 82) दौलत 84) धृत 85) पशू 86) रुकना, ठहरना 87) पक्षाघात 89) एक फल 91) कुंदनलाल नामक एक पुराने गायक अभिनेता का कुलनाम 93) हमेशा 94) जलजलूल 96) अवश्य 97) एक कदं जिसे खाने पर खुजलाहट होती है 98) पिता के

पिता के पिता 100) प्रशंसा 102) दर्द देना 104) दुनियां 106) ठंडा 108) धन, समान 109) बहू की मां 110) लकड़ियां चोरने का एक औजार 111) अपराध 112) कला 113) अशिष्ट, गुस्ताख 114) सरिता, जल की धारा **ऊपर से नीचे :-** 1) हृदय 2) वस्त्र पहनने का ढंग 3) श्रवणेंद्रिय 4) एक पुराने कृष्णभक्त मुस्लिम कवि 6) व्याकुल 7) एक मंगल वाद्य 8) अनभिज्ञ, अपरिचित, जानकारी का अभाव 9) विष 10) मनुष्य के शरीर की रक्तवाहिनी 11) रामायण में दशरथ का एक पुत्र 12) त्रिपुरा की राजधानी 14) वर्ष, साल 16) विष्णू 17) उपहार, वह वस्तु जो भेंट के रूप में दी जाये 19) राजा दशरथ की एक रानी 20) राजी कराना 22) अल्पवयस्क 24) मंत्री., सचिव 26) दिवस 27) शामिल 28) सच 31) दानव 33) परिधान कराना 34) अपराधी., अभियुक्त 35) नष्ट 36) पाकिस्तान का एक प्रमुख शहर 37) उपद्रवी.,चंचल, धूर्त 38) सुगंध देनेवाला एक फूल 40) बिना, सिवा 41) हमारे पहले प्रधान मंत्री 43) चुहे का आकार का एक जंतू 45) विपत्ती आना अर्थवाला एक मुहावरा 46) बिलकुल 47) एक एशियायी देश 50) मशहूर 52) एकत्र 53) तीर चलाने में प्रवीण 55) दंगा 56) जताना 58) प्रस्थान 59) घिसना 64) निर्धन, कंगाल 65) पूजा, उपासना 68) लगना का भूतकाल 70) अच्छा मौका 72) कसम, प्रतिज्ञा 74) बालपन 76) सामर्थ्य, क्षमता 78) परदे में रहनेवाली 79) प्रणाम 81) पीसना 83) शांत करना 88) धोना (अंग्रेजी) 89) गुनाह 90) शाप 91) सज्जित होना 92) बादल का आवाज करना 94) न्यायालय 95) नदान, मूर्ख 97) उजड़ा, निर्जन 98) समय का एक सुक्ष्म विभाग 99) बेंटी का पति 101) हत्या, हिंसा 103) सच्चा, जिसमें खोट न हो 105) महीना 107) गीला (जबाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब																				
ला	ल	पी	ला	हो	ना		न	वा	ज	ना		सू	अ	र	औ	र	ग	जे	व	
लू		ह		नी	ला	म	क	र	ना		त	क		लू	भा		ह	द		
प्र	क	र	ण		य	हू	दी		ब	ज	रं	ग	व	ली	ऐ		का	न	न	
सा	स			आ	क	र		मा		ना	ग	वा	र		मा	रा	मा	री	सी	
द	र	अ	स	ल		त	म	त	मा	ना		क्ष		पु	ला	व		ग	री	व
या		व	रा	स	न		सी	क	र		गौ		क	रा	म	त		र	स	
द	र	गा	ह		नि	रा	हा	र		श	री	क		त	ल		च	ग	ना	व
व		ह	नी		हा	जी		ना	पा	क		च	म	न		ग	ह	न	री	
	वि	न	य	शी	ल		अं	न	र	क		थ		च	प	ल		गा	य	
आ	ज			त		ख	ब	र		पा	र	स	ना	थ		श	प	थ	ता	
पा	य	दा	न		अं	त	र		न	रा	ध	म			अ	प	ह	र	ण	
अ	व	स	र		र		ला	म		नी		वि	प	दा		ल	थ		सौ	
अ	मृ	त		मे	रा	ना	म	जो	क	र		रो	च	क	ता		रा	ह	त	
पा	त		क	श	म	क	श		ह	ज	म	क	र	ना		म	न	ह	र	न
हि	रा	स	त		टे		गु	ज	रा	त		था	ना		दौ		क	ट	क	
ज	ज		रा	ज	क	म	ल	म		को	म		अ	रा	व	लो		त	क	

anumeva-08446302691

CMYK

CMYK

CMYK



वेलिंगटन। भारत ने तीसरे टी२० में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हरा दिया है। १९९ रन का लक्ष्य भारत ने १३.२ ओवर में हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा के तूफान में कीवी उड़ गए। अभिषेक ने ३८ गेंद में नौ चौके और ११ छक्कों की मदद से ११३ रन की पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने १९ गेंद में ४५ रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल के नाबाद ८९ रन के दम पर १९८ रन बनाए थे। मिचेल के अलावा फिन एलन ने २५ गेंद में पांच छक्कों की मदद से ४० रन बनाए थे। इस मैच में कुल २६ छक्के लगाए। न्यूजीलैंड की ओर से ११ छक्के लगे। वहीं, भारत की ओर से १५ छक्के लगे। न्यूजीलैंड के बराबर छक्के तो अभिषेक शर्मा ने अकेले लगा दिए। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी२० सीरीज

तीसरा टी२०: भारत ने चेज में तोड़ा १२ साल पुराना रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के बराबर छक्के अभिषेक शर्मा ने अकेले जड़े

में ३-० की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। दोनों टीमों के बीच चौथा टी२० ३० अक्टूबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा।
भारत ने १२ साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा ?
भारत ने ४० गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा टी२० अंतरराष्ट्रीय में १९० या उससे ज्यादा रन के सफल चेज में सबसे तेज चेज है। इससे पहले भी किसी पूर्ण सदस्य द्वारा १९०+ रन के सबसे तेज सफल चेज का रिकॉर्ड भारत के नाम था। उसने इसी साल रायपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ २०९ रन चेज करते हुए २८ गेंद शेष रहते मैच जीता था।
वहीं, ओवरऑल देशों को मिलाकर यह दूसरा सबसे तेज चेज है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर एस्टोनिया है। उसने २०२४ में साइप्रस के खिलाफ ४२ गेंद शेष रहते मैच जीता था। वहीं, तीसरे नंबर पर नीदरलैंड्स है। उसने २०१४ में आयरलैंड के खिलाफ ३७ गेंद शेष रहते मैच जीता था। भारत ने

नीदरलैंड्स का १२ साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा और दूसरे स्थान पर जगह बनाई।
न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर १९८ रन बनाए हैं। कीवी टीम की शुरुआत खराब रही थी। टीम ने दूसरे ओवर में ही टिम साइफर्ट का विकेट गंवाया था। वह दो रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद फिन एलन ने डेरिल मिचेल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए ४३ गेंद में ८६ रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को नीतीश रेड्डी ने तोड़ा। नीतीश ने एलन को नमन धीरे के हाथों कैच कराया। वह २५ गेंद में पांच छक्के की मदद से ४० रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अपना १००वां टी२० अंतरराष्ट्रीय खेल रहे ग्लेन फिलिप्स को अक्षर पटेल ने आउट किया। वह १४ गेंद में १७ रन बना सके। इसके बाद मिचेल ने बेवन जैकब्स के साथ चौथे विकेट के लिए ४८ गेंद में ७५ रन की अटूट साझेदारी निभाई। मिचेल ने ५२ गेंद में पांच चौके

और पांच छक्के की मदद से ८९ रन की पारी खेली। वहीं जैकब्स २३ गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद ३९ रन बनाए।१९९ रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव और अभिषेक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए ४३ गेंद में १३३ रन की साझेदारी निभाई। वैभव सूर्यवंशी ने १९ गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से ४५ रन बनाकर आउट हुए। भारत को दूसरा झटका अभिषेक के रूप में लगा। अपनी जबरदस्त पारी से उन्होंने पूरा मैच भारत की झोली में डाल दिया। हालांकि, उनके आउट होने के बाद भारत को दो और झटके जरूर लगे, लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ा। संजू सैमसन १३ गेंद में १८ रन और कप्तान श्रेयस अय्यर १० गेंद में पांच रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा एक रन और नमन धीर चार रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से काइल जेमीसन ने दो विकेट लिए, जबकि मैथ्यू फिशर और सेंटरर को एक-एक विकेट मिला।

रणजी ट्रॉफी राउंडअप:

हरियाणा के खिलाफ मुंबई का पलड़ा भारी



मध्य प्रदेश ने बिहार को हराया
नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबले के दूसरे दिन मुंबई ने हरियाणा पर शिकंजा कसा। वहीं, सारांश जैक के शानदार प्रदर्शन की मदद से मध्य प्रदेश ने दो ही दिन के अंदर बिहार को हराया। इसके अलावा बड़ोदा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ विशाल स्कोर खड़ा किया। मुशीर खान ने दो विकेट चटकाए जिससे हरियाणा ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के तीसरे दौर के मुकाबले में मंगलवार को मुंबई के पहली पारी में ४३० रन के जवाब में दूसरे दिन दो विकेट पर १०८ रन बनाए। मुशीर ने हरियाणा के दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान अंकित कुमार (३५) और हिमांशु राणा (२७) को पवेलियन भेजा। दोनों ने पहले विकेट के लिए ६१ रन की साझेदारी की। दिन का खेल समाप्त होने तक हरियाणा की टीम पहली पारी के आधार पर ३२२ रन से पीछे थी। स्टंप के समय धीरू सिंह २३ रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर निशांत सिंघू १७ रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे।

तमिलनाडु के खिलाफ रेलवे ने ली बढ़त
चेन्नई में तमिलनाडु पहली पारी में १९ रन से पिछड़ गया, लेकिन गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से वापसी करते हुए रेलवे की दूसरी पारी में नौ विकेट १०७ रन तक गिरा दिए। रेलवे की कुल बढ़त १२६ रन की है। आर साई किशोर ने ३८ रन देकर चार विकेट लिए जबकि जेगनाथन हेमचुदेशन ने २१ रन देकर तीन विकेट चटकाए।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: युवराज ने अभिषेक पर कसा तंज



सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाने को लेकर बोले

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी२० मुकाबले में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। अभिषेक ने दमदार प्रदर्शन कर शतक लगाया और भारत को मैच तथा सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। इस ताबड़तोड़ पारी के बावजूद अभिषेक के मेंटोर युवराज सिंह ने उनके मजे लिए और सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाने को लेकर उन पर तंज कसा।

अभिषेक की तूफानी पारी न्यूजीलैंड ने २० ओवर में तीन विकेट पर १९८ रन बनाए थे। जवाब में भारत ने बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया और अभिषेक शर्मा के साथ वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग के लिए भेजा। इसके बाद इन दोनों ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पावरप्ले में सबसे बड़े स्कोर से लेकर सबसे तेज १०० रन पूरे करने का रिकॉर्ड भारत ने तोड़ दिया है। हालांकि, अभिषेक शर्मा अपने गुरु युवराज सिंह का सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। इतना ही नहीं, अभिषेक सबसे तेज शतक टी२० अंतरराष्ट्रीय शतक का अपना रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। उन्होंने ३८ गेंद में नौ चौके और ११ छक्के की मदद से ११३ रन की पारी खेली। भारत ने तीसरा टी२० छह विकेट से अपने नाम किया। १९९ रन का लक्ष्य भारत ने १३.२ ओवर में हासिल कर लिया।

अभिषेक ने इस मैच में १५ गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया था जिसे लेकर युवराज ने उनके मजे लिए। युवराज ने एक्स पर लिखा, 'अभिषेक आप अभी भी १२ गेंदों पर ५० रन नहीं बना सके। ऐसा लगा जैसे दोनों बल्लेबाज बैकयाइड में बल्लेबाजी कर रहे थे।' युवराज ने इसके साथ ही अभिषेक की सराहना की और कहा कि वह भी टी२० में ३० या ३४ गेंदों पर शतक नहीं बना पाते। युवराज ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'मैं ३० या ३४ गेंदों पर १०० रन नहीं बना सकता। बहुत बढ़िया खेले सर अभिषेक। शानदार पारी और आपने सिंगल

भी लिए। दूसरे छोर से वैभव सूर्यवंशी का भी बेहतरीन प्रदर्शन! क्या जबरदस्त जोड़ी है! संजू सैमसन को सलाम, जो नंबर ३ पर एक सच्चे टीम प्लेयर की तरह खेले! हमारे गेंदबाजों ने भी शानदार गेंदबाजी की और स्कोर को २०० के नीचे रखा। सीरीज में शानदार जीत। बधाई हो टीम इंडिया।

टी२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो पूर्ण सदस्य (फुल मेंबर) टीमों में अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर भी हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुवाहाटी में २०२६ में १४ गेंदों में अर्धशतक लगाया था। शिवम दूबे और क्रिंटन डिकॉक भी १५ गेंदों में अर्धशतक जड़ चुके हैं।

अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में तूफानी शतक लगाकर टी२० क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पुरुषों के टी२० क्रिकेट में ११ शतक पूरे कर विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम १० शतक हैं। इस सूची में अभिषेक अब बाबर आजम (१३) के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जबकि क्रिस गेल २२ शतकों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। क्रिंटन डिकॉक और डेविड वॉर्नर के नाम भी १०-१० शतक हैं।

वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में शतक लगाकर अभिषेक शर्मा ने पुरुषों के टी२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी स्थिति मजबूत की। वह चार शतकों के साथ सूर्यकुमार यादव की बराबरी पर पहुंच गए हैं। इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और भारत के रोहित शर्मा पांच-पांच शतकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अभिषेक और सूर्यकुमार के अलावा करणवीर सिंह तथा फिल सॉल्ट के नाम भी चार-चार शतक हैं।

महिला रैंकिंग: स्मृति मंधाना ने वनडे में गंवाया शीर्ष स्थान

कौन बना नंबर एक बल्लेबाज, हरमनप्रीत ने लगाई छलांग



दुबई। पूर्व भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कोर मंगलवार को आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में दो पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गईं। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले दो मैचों में ३२ और शून्य पर आउट होने वाली कप्तान स्मृति मंधाना ने इस लचर प्रदर्शन के कारण अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वॉर्ट पहले नंबर पर काबिज हो गई हैं।

ऑलराउंडरों की रैंकिंग में दीप्ति को फायदा
जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में हरमनप्रीत और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शतक बनाकर अपनी टीम को तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त दिलाई थी। हरमनप्रीत ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। दीप्ति ने बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान ऊपर २३वां स्थान

हासिल कर लिया है। वह ऑलराउंडरों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चौथे और गेंदबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

प्रतिका करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर
वनडे बल्लेबाजों की सूची में भारत की युवा खिलाड़ी प्रतिका रावल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। वह सात पायदान ऊपर २१वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। जिम्बाब्वे की तीन खिलाड़ी मोड्रेटर मुपाचिकवा (पांच पायदान ऊपर ३९वें स्थान पर), चिपो मुगेरी-तिरिपानो (चार पायदान ऊपर ४७वें स्थान पर) और बिलब्ड बिजा (१६ पायदान ऊपर ५६वें स्थान पर) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। टी२० अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपडेट के बाद शेफाली वर्मा (तीसरे) और मंधाना (चौथे) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय पुरुष हॉकी टीम की दमदार शुरुआत



बांग्लादेश को दी करारी शिकस्त ; मनदीप की हैट्रिक

जालंधर। पांच बार के चैंपियन भारत ने मनदीप सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से मंगलवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एससीटी) हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान का प्रभावशाली आगाज करते हुए एकतरफा मुकाबले में बांग्लादेश को १३-० से करारी शिकस्त दी। मनदीप ने तीसरे, १०वें और ५४वें मिनट में गोल दोगे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (दूसरे, ४४वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (४३वें, ४४वें मिनट) और उपकप्तान हार्दिक सिंह (६०वें मिनट में दो गोल) ने दो-दो गोल किए।

खिलाड़ियों पर होगी करोड़ों की बरसात

डब्ल्यूपीएल की नीलामी आज:
नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) २०२७ सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी आज कोच्चि में होगी। इन पांच टीमों को मिनी ऑक्शन में कुल २७ स्लॉट (जिसमें विदेशी खिलाड़ियों के लिए सात स्लॉट शामिल हैं) भरने हैं। इनके पास खर्च करने के लिए कुल ८.१५ करोड़ रुपये की ही रकम है। नीलामी के लिए कुल १५० खिलाड़ियों ने

पंजीकरण कराया है, जिनमें से २८ विदेशी खिलाड़ी हैं। इनमें एसोसिएट टीमों के छह खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी में शामिल कुछ प्रमुख नामों में भारत की स्नेह राणा, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन, श्रीलंका की चमारी अथापडु, इंग्लैंड की सोफिया डंकले, और ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्युक्स तथा जेस जोनासन शामिल हैं। यूपी वॉरियर्स नीलामी में सबसे ज्यादा आठ स्लॉट भरने और सबसे बड़ी रकम (३.७५ करोड़ रुपये) के साथ उतर रही है।

सड़कों पर जीप और सिट्रोएन की गाड़ियां पहले से कहीं ज्यादा दिखें। नए लॉन्च बी, सी और डी एसयूवी सेगमेंट में होंगे। इनमें एक एमपीवी, ए-सेगमेंट कार और प्रीमियम पिकअप भी होगी। नए रोडमैप के तहत पहला टैक्सी डक २०२७ की दूसरी तिमाही तक लॉन्च करने की योजना है। इन लॉन्च के लिए कंपनी अगले ३ साल में करीब ४,००० करोड़ रुपये (करीब ४०० मिलियन यूरो) का नया निवेश

करेगी। इसके बाद २०३० तक भारत में स्टेलेंटिस का कुल निवेश करीब १५,००० करोड़ रुपये हो जाएगा। रोडमैप में जीप के ५ और सिट्रोएन के ७ लॉन्च शामिल हैं। दोनों ब्रांड की भूमिका अलग-अलग होगी और दोनों मिलकर एक-दूसरे की कमी पूरी करेंगे। इन प्रोडक्ट्स के साथ स्टेलेंटिस भारत के पैसेंजर वाहन बाजार के उन सभी सेगमेंट में पहुंच जाएगा, जहां बढ़त की सबसे ज्यादा गुंजाइश है

स्टेलेंटिस भारत में करेगी ४,००० करोड़ रुपये का नया निवेश

चेन्नई। स्टेलेंटिस ने भारत में अपने विकास के अगले दौर की घोषणा की। अब तक कंपनी यहां अपने कारोबार की नींव तैयार कर रही थी। अब वह इस कारोबार को बड़े पैमाने पर फैलाने की ओर बढ़ रही है। फास्टरलेन २०३० के तहत जीपए और सिट्रोएन अगले तीन साल में १२ प्रोडक्ट बाजार में उतरेंगे। इनमें सात बिल्कुल नए प्रोडक्ट होंगे और पांच में बड़े अपग्रेड किए जाएंगे। कंपनी का साफ लक्ष्य है कि भारत की

सड़कों पर जीप और सिट्रोएन की गाड़ियां पहले से कहीं ज्यादा दिखें। नए लॉन्च बी, सी और डी एसयूवी सेगमेंट में होंगे। इनमें एक एमपीवी, ए-सेगमेंट कार और प्रीमियम पिकअप भी होगी। नए रोडमैप के तहत पहला टैक्सी डक २०२७ की दूसरी तिमाही तक लॉन्च करने की योजना है। इन लॉन्च के लिए कंपनी अगले ३ साल में करीब ४,००० करोड़ रुपये (करीब ४०० मिलियन यूरो) का नया निवेश

व्हर्लपूल ने शानदार इनोवेशन लॉन्च किया

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी होम अप्लायंस निर्माता कंपनियों में से एक, व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने आज अपने नए लॉन्च किए गए लक्ज़ेरियम ४-डोर रेफ्रिजरेटर रेंज में एक शानदार इनोवेशन पेश किया। यह भारत की पहली फ्रेशनेस डिटेक्शन टेक्नोलॉजी है, जो व्हर्लपूल के खास सिक्स सेन्स एआयद्वारा संचालित है। यह मेट-इन्-इंडिया टेक्नोलॉजी अपने आप में एक अनूठी पहल है। इसे आधुनिक भारतीय स्टाइल की एक रोज़मर्रा की चुनौती को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है - जहां ताज़े फल और सब्जियां थोक में खरीदकर फ्रिज में रख दिए जाते हैं और अक्सर लोग उन्हें भूल जाते हैं, जिससे अंततः खाना खराब होता है

हर्मनप्रीत ने शानदार लो फ्लिक के जरिए गोल में बदल दिया। अगले ही मिनट हरमनप्रीत के मिडफील्ड से दिए गए भारत की बड़ी जीत में योगदान दिया। ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेलते हुए मुकाबले में गत चैंपियन भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। खेल ज्यादातर बांग्लादेश के हाफ में हुआ और भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार आक्रमण करते हुए गोलों की झड़ी लगा दी। भारत ने दूसरे ही मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे कप्तान

मैदान में अचानक एक आवारा कुत्ता घुस आया और टर्फ पर गंदगी कर दी, जिसके कारण खेल शुरू होने में थोड़ी देरी हुई। इसके बाद भी भारतीय आक्रमण जारी रहा। मैच के १८वें मिनट में मनदीप के शानदार वन-टच पास पर अभिषेक ने गोल किया और फिर २६वें मिनट में नीलकांत शर्मा ने सुखजीत और अभिषेक से मिले पास के बाद सर्किल के शीर्ष से शानदार टोमहॉक शॉट लगाकर भारत को मध्यांतर तक ६-० की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने एक मिनट के भीतर दो गोल दोगे।

एमवे इंडिया ने बढ़ाया स्टोर्स का दायरा

कंपनी के स्टोर्स बढ़ाने पर खर्च होना था। यह विस्तार उसी घोषणा की अगली कड़ी है। इस मौके पर एमवे के प्रेसिडेंट और सीईओ माइकल नेल्सन ने कहा, एमवे की वैश्विक विकास यात्रा में भारत की अहम भूमिका है। यहां हमें सबसे ज्यादा उत्साहित करती है भारतीय उपभोक्ता की तेजी से बदलती सोच। आज लोग सेहत और तंदुरुस्ती के लिए ऐसे समाधान ढूंढ रहे हैं, जिन पर भरोसा किया जा सके और जिनके पीछे विज्ञान हो। वे चाहते हैं कि ब्रांड उनकी अपनी जरूरतों को समझें और उनसे जुड़ना आसान हो। हमारा उद्देश्य ऐसे आधुनिक केंद्र

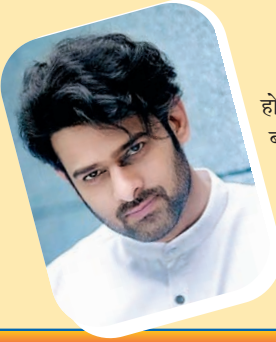
बनाना है, जहां लोग आकर खुद उत्पादों को देख-परख सकें और हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स ग्राहकों की इन बदलती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सकें। इन सेंटर्स में लोग नए उत्पादों के बारे में जानते हैं, खुलकर बात करते हैं और एक समुदाय से जुड़ते हैं। इससे डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहकों के रिश्ते गहरे होते हैं और ग्राहकों को भी ज्यादा फायदा मिलता है। गुरुग्राम में एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन भारत में एमवे के सफर का एक अहम पड़ाव है। यह दिखाता है कि आने वाले लंबे समय के लिए हमें इस बाजार पर पूरा भरोसा है।

मध्य रेल
ई-नीलामी आरम्भण सूचना का प्रकाशन
केटरिंग अनुबंधों के लिए निविदा आमंत्रित करने वाली सूचना का प्रकाशन **Catalogue no:- NGP-MPS-2026-26 1.** सिंदी रेलवे स्टेशन के क्नेटफॉर्म संख्या 1 पर टी स्लॉल (GMU) के माध्यम से खानपान (कैटरिंग) सेवा का प्रावधान 5 वर्ष की अवधि के लिए **E-auction Start: 12.11.2026 at 15:00 Hrs / End: 12.11.2026 at 15:30 Hrs.** 2. बैतूल रेलवे स्टेशन के क्नेटफॉर्म संख्या 2/3 पर फल स्टील (SMU) के माध्यम से खानपान (कैटरिंग) सेवा का प्रावधान 5 वर्ष की अवधि के लिए। **E-auction Start: 12.11.2026 at 15:00 Hrs / End: 12.11.2026 at 15:40 Hrs.** 3. अमला रेलवे स्टेशन के क्नेटफॉर्म संख्या 1/2 पर बिना ट्रांली के बहुउद्देशीय स्टील (MPSS) के माध्यम से खानपान (कैटरिंग) सेवा का प्रावधान 5 वर्ष की अवधि के लिए। **E-auction Start: 12.11.2026 at 15:00 Hrs / End: 12.11.2026 at 15:50 Hrs.** ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कृपया [https:// www.ireps.gov.in](https://www.ireps.gov.in) पर अवलोकन करें।
ANJ/639/487 ACM(Catg & NFR)/NGP सुरक्षित यात्रा करें, सुरक्षित पर यात्रा न करें

और उसकी बर्बादी होती है। समय की कमी के कारण भारतीय परिवार अक्सर अपनी साप्ताहिक ग्रीसरी खरीदारी के दौरान फल और सब्जियां थोक में खरीदते हैं और उन्हें फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। हालांकि, फ्रिज में रखने के बाद कुछ चीजें बिना ध्यान में आए पकना शुरू हो जाती हैं, जिससे ग्राहकों को यह तय करने के लिए बार-बार चेक करना पड़ता है कि किसे पहले इस्तेमाल किया जाए। इसके कारण अक्सर भोजन की बर्बादी होती है या फिर ऐसी चीजों का सेवन करना पड़ता है जो पहले से ही बहुत ज्यादा पक चुकी होती हैं। इससे रोजमर्रा के भोजन का प्रबंधन और भी मुश्किल हो जाता है।

नागपुर, बुधवार, २८ अक्टूबर २०२६

युगधर्म ख़ास



फौजी’ टीजर विवाद सरकार तक पहुंचा

मुंबई। स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म ‘फौजी’ का टीजर रिलीज होते ही इसे लेकर कड़ी आलोचना हो रही है। जहां आम लोग सुभाष चंद्र बोस की छवि को लेकर सवाल उठा रहे हैं, वहीं उनके पोते चंद्र कुमार बोस ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखा है। साउथ फिल्मों के स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म ‘फौजी’ के टीजर की आलोचना हो रही है। सुभाष चंद्र बोस के पोते, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता और पश्चिम बंगाल में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष चंद्र कुमार बोस ने मांग की है कि फिल्ममेकर्स इसे हटा दें, क्योंकि इसमें कथित तौर पर इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने अब सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है और साथ ही डायरेक्टर हनु राघवपुडी से इस मामले की गंभीरता को समझने के लिए भी कहा है।

sms

हकीकत ना सही तुम ख्वाब बन कर मिला करो, भटके मुसाफिर को चांदनी रात बनकर मिला करो।

पेज ८

विकास भी आवश्यक है और पर्यावरण संरक्षण भी

दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए : डॉ. दीपेन अग्रवाल

संवाददाता

नागपुर। रायगढ़ जिले के कर्जत स्थित सायडॉगर क्षेत्र में टॉरेंट पावर की प्रस्तावित ३,००० मेगावाट क्षमता वाली जलविद्युत ऊर्जा भंडारण परियोजना के लिए ३२,४९० पेड़ों की कटाई को लेकर उत्पन्न विवाद पर चेंबर ऑफ़ एसोसिएशंस ऑफ़ महाराष्ट्र इंडस्ट्री एंड ट्रेड (केमिट) ने अपना स्पष्ट दृष्टिकोण रखते हुए कहा है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक-दूसरे के विरोधी के रूप में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक के रूप में देखा जाना चाहिए।



केमिट के अध्यक्ष एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (बीयूवीएम) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. दीपेन अग्रवाल ने कहा कि महाराष्ट्र की बढ़ती औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति, आधुनिक ऊर्जा अधोसंरचना, नए निवेश एवं रोजगार सृजन अत्यंत आवश्यक हैं। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने वाली परियोजनाएं महाराष्ट्र की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

केमिट कर्जत जलविद्युत परियोजना के क्रियान्वयन का पूर्ण समर्थन करता है, क्योंकि यह महाराष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा एवं औद्योगिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। किंतु विकास के साथ हमारी प्राकृतिक संपदा एवं पारिस्थितिक विरासत के संरक्षण के प्रति भी उतनी ही मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं, बल्कि विकास किस प्रकार किया जाए, जिससे अपरिहार्य पर्यावरणीय क्षति का वैज्ञानिक मूल्यांकन हो, उसे न्यूनतम रखा जा सके तथा उसकी उचित एवं प्रभावी भरपाई सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा लाभग्रा ९०,००० पौधे लगाने की प्रस्तावित क्षतिपूरक वृक्षारोपण योजना का उल्लेख करते हुए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि ऐसी पहल निश्चित रूप से स्वागतयोग्य है, किंतु परिपक्व वृक्षों एवं वर्षों से विकसित

प्राकृतिक वनों की क्षति की भरपाई केवल नए पौधे लगाकर नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि दशकों में विकसित एक जटिल पारिस्थितिक तंत्र है, जो जैवविविधता, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, भूजल पुनर्भरण, मृदा संरक्षण एवं जलवायु संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नए पौधे लगाने मात्र से इन सभी पर्यावरणीय कार्यों की तत्काल पुनर्स्थापना संभव नहीं है।

पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि कितने पौधे लगाए गए, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि कितनी पारिस्थितिक संपदा पुनर्स्थापित हुई, कितनी जैवविविधता संरक्षित हुई तथा दीर्घकाल में पर्यावरण को कितना वास्तविक लाभ प्राप्त हुआ, डॉ. अग्रवाल ने जोर देकर कहा। केमिट ने सुझाव दिया है कि परियोजना संचालक कंपनी, महाराष्ट्र सरकार एवं वन विभाग के समन्वय से एक वैज्ञानिक, पर्याप्त वित्तीय प्रावधानों से युक्त तथा स्वतंत्र निगरानी वाली दीर्घकालीन पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापना योजना लागू की जाए। केवल क्षतिपूरक वृक्षारोपण पर निर्भर रहने के बजाय परियोजना संचालक कंपनी को उसी पारिस्थितिक क्षेत्र में, जहां संभव हो, मौजूदा प्राकृतिक वनों, क्षतिग्रस्त वनक्षेत्रों एवं पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों के संरक्षण, पुनर्जीवन तथा दीर्घकालीन देखभाल के लिए वित्तीय जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा, परियोजना आगे बढ़े, उद्योगों का विस्तार हो, निवेश आए और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हों लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रकृति का संरक्षण केवल आक्षासनों तक सीमित न रहे, बल्कि ठोस, मापनीय एवं दीर्घकालीन प्रयासों के माध्यम से धरातल पर दिखाई दे। सच्चा विकास केवल आज की आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी गई प्राकृतिक विरासत में भी निहित है।

बच्चों के लिए दिवाली कार्यक्रम आयोजित

समरूपण ग्रुप का आयोजन

संवाददाता

नागपुर। समरूपण ग्रुप ने एकता बहुउद्देशीय एजुकेशन सोसायटी, पद्मा नगर,नारी रोड के अंतर्गत संचालित जीवन रक्षा मतिमंद स्कूल, श्री किसन मूक बधिर स्कूल और अलका चर्चर्ड डेवलपमेंट सेंटर के बच्चों के लिए दिपावली कार्यक्रम आयोजित किया। इस उपलक्ष्य में डॉ. आशीष मोदी एवं टीम ने डेंटल हेल्थ चेकअप कैंप रखा गया।

करीब १०० बच्चों को समरूपण के मेबर्स मधु सरिया,मधु सिंधी, मधु दोषी, सरोज अग्रवाल एवं अंजली सराफ ने मिठाई और पटाखे वितरित किए। मूक बधिर बच्चों का रंगोली कॉम्पिटेशन रखा गया। बच्चों ने बहुत सुंदर रंगोली बनायीं। प्रभा जैन और मधु सरिया ने जजमेंट करके प्रथम द्वितीय पारितोषिक तय किये। इस अवसर पर डॉ. आशीष मोदी ने



लगभग २५-३० स्पेशल एबलड बच्चों का डेंटल चैकअप किया और आगे लगातार अपने क्लीनिक में निःशुल्क सेवा देने का आह्वान किया। उन्होंने १५००/हर महीने बच्चों के स्वास्थ्य वर्धन के लिए देने का भी ऐलान किया। अंजली सराफ ने भी मूक बधिर बच्चों के लिए १५००/प्रतिमाह देने के लिए कहा। सभी बच्चों ने पटाखे छोड़कर दिपावली के कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रमिला मुनोत ने मतिमंद बच्चों के लिए फ्रिज दिया। वीकेएस फाउंडेशन की तरफ से अगरबत्ती बनाने की मशीन दी गई जिससे

मतिमंद लोग अगरबत्ती बनाकर जीविकोपार्जन करेंगे। समरूपण के सहयोग से कुष्ण सेवा संस्था,अकोला के द्वारा पेपर प्लेस्ट्स बनाने की मशीन दी गई जिससे लगातार पेपर प्लेस्ट्स बनायी जाती है। स्कूल की बिल्डिंग बनाने के लिए भी समरूपण के डोनर्स ने काफी सहायता की है। मूक बधिर बच्चों के लिए ऑडियो रूम बनवाया है जिसका लाभ मूक बधिर बच्चों को लगातार मिल रहा है। पिछले १८ वर्षों से समरूपण के सदस्य इस संस्था से जुड़े हुए हैं और स्पेशल बच्चों की उन्नति का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

२६ नवंबर तक रहेगी लागू बाजारों में लोडिंग-अनलोडिंग पर रोक

नागपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित रखने तथा ट्रेफिक जाम की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए शहर पुलिस (ट्रैफिक) के पुलिस उपायुक्त आदित्य मिलखेलकर द्वारा एक महत्वपूर्ण अभिसूचना जारी की गई है। इसके तहत शहर के सभी प्रमुख बाजारों और व्यापारिक परिसरों में मालवाहक और व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही को लेकर यह नए निर्देश लागू किए गए हैं। दोपहर २ से रात ८ बजे तक रेंगा प्रतिबंध : जारी आदेश के अनुसार, शहर के गांधीबाग, इतवारी, कलमना, सीताबडी तथा शहर के अन्य सभी प्रमुख बाजारों व व्यापारी परिसरों में मालवाहक वाहनों, ट्रांसपोर्ट वाहनों, व्यावसायिक वाहनों अथवा माल ढुलाई के लिए उपयोग में आने वाले अन्य वाहनों से माल चढ़ाना या उतारना दोपहर २ से रात्रि ८ बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध इस समयावधि के दौरान शहर के इन व्यस्त इलाकों में यातायात की सुगम व सुरक्षित हलचल सुनिश्चित करने और नागरिकों

की असुविधा को कम करने के उद्देश्य से लगाया गया है। इनके अलावा सड़कों पर, रास्तों के किनारे, सर्विस रोड पर, बाजारों के प्रवेश मार्ग पर या यातायात के प्रवाह में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने वाले स्थानों पर निर्धारित समयावधि के दौरान माल चढ़ाने या उतारने का कार्य पूरी तरह वर्जित रहेगा। इस प्रतिबंधात्मक आदेश के दायरे से आपातकालीन सेवाओं को आवश्यक छूट प्रदान की गई है। एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस वाहन तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए उपयोग में आने वाले वाहनों को, जब वे आपातकालीन स्थिति में कार्यरत होंगे, इस निर्बंध से आवश्यक छूट दी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा जारी यह अभिसूचना दिनांक २६ नवंबर तक अमल में रहेगी। पुलिस ने शहर के सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे इस अभिसूचना का पूरी तरह पालन करें, असुविधा से बचें तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने में पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग प्रदान करें।

सीपी ने ऑटो चालकों को दी सख्त हिदायत

नागपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटिल की अध्यक्षता में पुलिस भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंगलवार को ऑटो रिक्शा चालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (क्राइम) राजेंद्र दामोडे और पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) आदित्य मिरखेलकर उपस्थित रहे।

सीपी नांगरे पाटिल ने ऑटो चालकों को दो दृढ़ हिदायत दी कि वे यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने कहा कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को अनुशासित रखना और सवारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। ओवरसीट नजर आये तो कड़ा एक्शन तय: उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी ऑटो चालक वाहन में चालक के अलावा क्षमता से अधिक यात्रियों को नहीं बैठाएगा।

मनपा ने राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस मनाया

वाल्मीकि हिंदी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को कृमिनाशक गोलियों का वितरण

संवाददाता

नागपुर। राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस के अवसर पर, नागपुर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने गांधीनगर स्थित वाल्मीकि हिंदी माध्यमिक विद्यालय में एक जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को कृमिनाशक गोलियां वितरित करके कृमिनाशक उपायों के महत्व को समझाया गया।

राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस के अवसर पर, १ से १९ वर्ष की आयु के सभी लड़कों और लड़कियों को कृमिनाशक गोलियां उपलब्ध कराने की पहल के बारे में जानकारी दी गई। कृमिनाशक बच्चों में कुपोषण और एनीमिया का खतरा पैदा कर सकता है। यह बच्चों के शारीरिक विकास , मानसिक विकास और शैक्षिक प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, बच्चों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कृमिनाशक रोकथाम के महत्व को विद्यार्थियों को समझाया गया।

राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर और समग्र विकास में सुधार लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसी पहल के तहत नागपुर नगर निगम के सभी विद्यालयों में कृमिनाशक दिवस मनाया गया। यूपीएचसी द्वारा विद्यालयों को कृमिनाशक गोलियां भी उपलब्ध कराई गई। विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से १ से १९ वर्ष की आयु के लड़के-



लड़कियों को कृमिनाशक गोलियां निशुल्क दी जाती हैं। आंगनवाड़ी स्तर पर अपंजीकृत और विद्यालय से बाहर रहने वाले बच्चों को भी गोलियां उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

यह पहल महापौर श्रीमती नीता ठाकरे के मार्गदर्शन और आयुक्त डॉ. विपिन इटनकर, माननीय अतिरिक्त आयुक्त अंकित और श्री मुरगनाथम एस. के पर्यवेक्षण में आयोजित की गई थी।

इस अवसर पर मुंबई के उप निदेशक डॉ. सचिन टाडास ने छात्रों को कृमिनाशक दवा के महत्व के बारे में बताया। नागपुर नगर निगम के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर

ने एल्वेंडाजोल कृमिनाशक गोलियों के महत्व और बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी और साथ ही बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक विकास और शैक्षिक प्रगति पर कृमिनाशक दवा के संभावित प्रभावों के बारे में भी मार्गदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में उप निदेशक डॉ. सचिन तदास , नागपुर नगर निगम के चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर, अतिरिक्त चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र बहिरवार, शिक्षा अधिकारी अमित भदोणे, नागपुर जिला परिषद के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार गहलोत आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

नैटकॉन २०२६ – प्रत्यक्ष कर पर राष्ट्रीय सम्मेलन

संवाददाता

नागपुर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की वेस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (विक) की नागपुर शाखा द्वारा प्रत्यक्ष कर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन नैटकॉन २०२६ का सफरतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रत्यक्ष कराधान के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण विकास, विशेष रूप से नए आयकर अधिनियम, २०२५ तथा कर पेशेवरों पर इसके प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उद्घाटन सत्र में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सी. वी. भंडंग, अध्यक्ष, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) मुख्य अतिथि के रूप में तथा सीए मंगेश किनारे, उपाध्यक्ष, आईसीएआई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईसीएआई की प्रत्यक्ष कर समिति के उपाध्यक्ष सीए पंकज शाह भी उपस्थित थे।सीए स्वरूपा एस. वज्रलवार, अध्यक्ष, आईसीएआई नागपुर शाखा (विक) ने निरंतर व्यावसायिक अध्ययन तथा प्रत्यक्ष

आईसीएआई नागपुर शाखा (विक) द्वारा आयोजन



कराधान के बदलते परिदृश्य से अद्यतन रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विशिष्ट अतिथियों, प्रख्यात वक्ताओं एवं सम्मेलन में भाग लेने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का हार्दिक स्वागत किया तथा राष्ट्रीय सम्मेलन में उनकी उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना की। सम्मेलन के प्रथम दिन प्रख्यात वक्ताओं एवं अनुभवी पेशेवरों द्वारा तीन विस्तृत तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का संचालन सीए अनिल साठे, मुंबई; सीए जशिर फड़के, पुणे ने किया। इन सत्रों में गौतम नायक, मुंबई; तथा सीए के. के. चैथन्य, बेंगलूर ने किया। इन सत्रों के

माध्यम से प्रतिनिधियों को प्रत्यक्ष कराधान के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण विकास तथा व्यावसायिक कार्यप्रणाली पर उनके व्यावहारिक प्रभावों के संबंध में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

सम्मेलन के दूसरे दिन तकनीकी चर्चाओं का सिलसिला जारी रहा। इन सत्रों का संचालन सीए एच. पदमचंद खिंचा, बेंगलूर; सीए पीयूष बाफना, पुणे तथा सीए जशिर फड़के, पुणे ने किया। इन सत्रों में जलिल प्रत्यक्ष कर संबंधी विषयों पर विशेषज्ञों के दृष्टिकोण एवं व्यावहारिक

मार्गदर्शन प्रदान किए गए, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान तथा व्यावसायिक दक्षता के विकास को प्रोत्साहन मिला।

सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक विरासत के प्रति शाखा की प्रतिबद्धता के अंतर्गत वृक्षारोपण की पहल भी की गई। इस अवसर का एक अन्य महत्वपूर्ण आकर्षण नागपुर शहर के सबसे पुराने विद्यालयों में से एक में लेखा संग्रहालय का उद्घाटन था। इसका उद्घाटन सीए मंगेश किनारे, माननीय उपाध्यक्ष, आईसीएआई के करकर्मलों द्वारा किया

गया। इस पहल का उद्देश्य लेखांकन के विकासक्रम तथा पेशे के विकास में इसके योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सम्मेलन का समन्वय सीए अंकुश केशरवानी, प्रबंध समिति सदस्य द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सीए तृप्ति भट्टूड, सचिव, आईसीएआई नागपुर शाखा (विक) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस सम्मेलन में पेशे के कई प्रतिष्ठित सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इनमें शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए अनिरुद्ध शेनवाई, सीए राजेश लोया एवं सीए ओ. एस. बागड़िया के साथ-साथ सीए मिलिंद पटेल, सीए अभिजीत केळकर, सीए संदीप जोटवानी, सीए सुरेन दुराकर, सीए उमंग अग्रवाल, सीए जे. एस. उबेरॉय, सीए सुधीर बाहेती, सीए जयंत एम. रानडे, अधिवक्ता आर. पी. टोलानी, सीए नरेश जाखोटिया, सीए महेंद्र जैन, सीए सचिन मुकेवार, सीए नितिन नारके, सीए अभिषेक जोशी, सीए नीलेश तोण्णीवाल तथा सीए निखिल अग्रवाल सहित अन्य पेशेवर सदस्य उपस्थित रहे।